27.10.25_1.09.25 Final.qxd 10/27/2025 2:09 AM Page 1

27 अक्टूबर 2025
सोमवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन तैयारियों की कड़ी निगरानी 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध **आपकी आवाज** ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

हर नागरिक को स्वस्थ रखकर ही विकसित देश बनेगा भारत : राजनाथ सिंह

यूपी के हर कोने में मिल रही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। उत्तर प्रदेश में हर जिले, हर क्षेत्र में बेहतर अस्पतालों-मेडिकल कॉलेजों की स्थापना हो रही है। इससे लोगों को अपने आसपास ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि अब लोगों को इलाज की सुविधा पाने के लिए दूर के बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं रह गई है। अब गोरखपुर हो या यूपी का कोई दूसरा इलाका, हर जगह बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल रही है।

यूपी में अब तक 42 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हेल्थकेयर सेक्टर में निवेश, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं की दिशा में राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अस्पताल बनने से लोगों को केवल स्वास्थ्य सुविधाएं ही नहीं मिल रही हैं, बल्कि इससे रोजगार का निर्माण भी हो रहा है। केवल एक अस्पताल बनने से पांच हजार लोगों तक को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इससे यूपी की तस्वीर बदल रही है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में अब तक 42 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि दो एम्स (गोरखपुर और रायबरेली) सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। डबल इंजन

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि देश के हर नागरिक को स्वस्थ रखकर ही 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना पूरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधा का लाभ उठाना अब तक गरीबों के लिए एक सपना था, लेकिन अब यह उनका अधिकार बन गया है। आयुष्मान योजना के अंतर्गत हर परिवार को पांच लाख रुपये तक का इलाज कराने की सुविधा मिलने से अब गरीब परिवारों की सबसे बड़ी मुश्किल हल हो गई है। उन्होंने कहा कि यदि भारत एक विकसित राष्ट्र बनने का सपना देख रहा है तो यह हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराए बिना नहीं हो सकता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को एक कार्यक्रम में कहा कि जब भारत का हर नागरिक स्वस्थ होगा तभी भारत सशक्त होगा। इसी तरह के भारत का सपना हमारे पूर्वजों ने देखा था और हम उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए राष्ट्र के नागरिकों का स्वास्थ्य उत्तम होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज देश के कोने-कोने में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल खुल रहे हैं। इसमें बेहतर सुविधाएं लोगों को मिल रही हैं। डॉक्टरों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इससे लोगों को अपने नजदीक स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे की सेवा करने का भाव पीड़ा महसूस करके ही किया जा सकता है। आज स्वास्थ्य सुविधा लोगों का अधिकार बनकर उनके घरों तक पहुंच गई है। अब कोई गरीब किसी भी बीमारी के कारण अपने जीवन की उम्मीद नहीं खोएगा। देश के 10 करोड़ परिवारों को हर वर्ष पांच लाख रूपए के स्वास्थ्य बीमा का कवच प्रदान किया गया है। अब 70 वर्ष से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना में शामिल किया गया है।

पंजाब में 112 दवाओं पर प्रतिबंध, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की सख्त चेतावनी

एजेंसी । चडीगढ़

पंजाब सरकार ने राज्य में 112 दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी है। ये दवाइयां केंद्रीय सरकार द्वारा जारी की गई सूची में अमानक बताई गई हैं। हाल ही में इन दवाओं के सेवन से कुछ लोगों की मौत की खबरें आई थीं। स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह ने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इन दवाओं को सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन ने अमानक घोषित किया है। पंजाब स्वास्थ्य विभाग ने इन दवाओं की बिक्री पूरी तरह से रोक दी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि कृपया इन दवाओं का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। अगर कोई दवा दुकान पर इन दवाओं की बिक्री कर रहा है तो तुरंत स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें। आपका स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है सूची में हर दवा का नाम, बैच नंबर, निर्माण तिथि, कंपनी का नाम और टेस्ट रिपोर्ट की जानकारी दी गई है। दवाओं के अलावा, कुछ एनर्जी ड्रिंक्स और ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन पर भी स्वास्थ्य विभाग की निगरानी बढ़ा दी गई है। जिन दवाओं की बिक्री पर रोक लगाई गई है।

मन की बात में पीएम मोदी ने दी छठ की शुभकामनाए

छठ महापर्व गहरी एकता का प्रतिबिंब : पीएम मोदी

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के जरिए देश को संबोधित किया। पीएम ने इस दौरान देशवासियों को त्योहारों की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छठ का जिक्र करते हुए कहा कि छठ का महापर्व संस्कृति, प्रकृति और समाज के बीच की गहरी एकता का प्रतिबिंब है। छठ के घाटों पर समाज का हर वर्ग एक साथ खड़ा होता है। ये दृश्य भारत की सामाजिक एकता का सबसे सुंदर उदाहरण है। पीएम मोदी ने इस दौरान छत्तीसगढ़ और कर्नाटक का जिक्र किया। पीएम ने छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर शहर की प्लास्टिक कचरा साफ करने की पहल गारबेज कैफे के बारे में बताया। उन्होंने कहा, ष्ये ऐसे कैफे हैं, जहां प्लास्टिक का कचरा लेकर जाने पर भरपेट खाना खिलाया जाता है। अगर कोई व्यक्ति एक किलो प्लास्टिक लेकर जाए तो उसे दोपहर या रात का खाना मिलता है और कोई आधा किलो प्लास्टिक ले जाए तो नाश्ता मिल जाता है। ये कैफे

अंबिकापुर नगरपालिका चलाता है। इसी तरह पीएम ने बंगलूरू की एक खास पहल का जिक्र करते हुए कहा, ष्बंगलूरू को झीलों का शहर कहा जाता है और इंजीनियर कपिल शर्मा जी ने यहां झीलों को नया जीवन देने का अभियान शुरू किया है। कपिल की टीम ने बंगलूरू और आसपास के इलाकों में 40 कुओं और झीलों को फिर से जिंदा कर दिया है। खास बात तो यह है कि उन्होंने अपने मिशन में कॉरपोरेट्स और स्थानीय लोगों को भी जोड़ा है। पीएम मोदी ने जंगली जीवन की महत्ता बताते हुए आगे कहा कि गुजरात के वन विभाग ने मैनग्रोव के महत्व को समझते हुए खास मुहिम चलाई हुई है। पांच साल पहले वन विभाग की टीमों ने अहमदाबाद के नजदीक धोलेरा में मैनग्रोव लगाने का काम शुरू किया था, और आज धोलेरा तट पर साढ़े तीन हजार हेक्टेयर में मैनग्रोव फैल चुके हैं। इनका असर आज पूरे क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। वहां के ईको सिस्टम में डॉल्फिनों की संख्या बढ़ गई है। केकड़े और दूसरे जलीय जीव भी पहले से ज्यादा हो गए हैं।

रन फॉर यूनिटी में शामिल होने की अपील की

सरदार पटेल आधुनिक काल में राष्ट्र की सबसे महान विभूतियों में से एक रहे हैं। उनके विराट व्यक्तित्व में अनेक गुण एक साथ समाहित थे। गांधी जी से प्रेरित होकर सरदार पटेल ने खुद को स्वतंत्रता आंदोलन में पूरी तरह समर्पित कर दिया। ह्यखेड़ा सत्याग्रहश से लेकर श्बोरसद सत्याग्रहश तक अनेक आंदोलनों में उनके योगदान को आज भी याद किया जाता है। अहमदाबाद नगरपालिका के प्रमुख के रूप में उनका कार्यकाल भी ऐतिहासिक रहा था। उन्होंने स्वच्छता और सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उप-प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के रूप में उनके योगदान के लिए हम सभी सदैव उनके ऋणी रहेंगे। पीएम मोदी ने कहा, ष्सरदार पटेल ने भारत के नौकरशाही के ढांचे की एक मजबूत नींव भी रखी। देश की एकता और अखंडता के लिए उन्होंने अद्वितीय प्रयास किए। मेरा आप सबसे आग्रह है, 31 अक्तूबर को सरदार साहब की जयंती पर देशभर में होने वाली रन फॉर यूनिटी में आप भी जरूर शामिल हों।

कोरापुट कॉफी का भी जिक्र किया

पीएम ने इसके बाद कोरापुट कॉफी को लेकर बात की। उन्होंने कहा, ष्मुझे बताया गया है कि कोरापुट कॉफी का स्वाद गजब होता है, और इतना ही नहीं, स्वाद तो स्वाद, कॉफी की खेती भी लोगों को फायदा पहुंचा रही है। कोरापुट में कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो अपने जुनून की वजह से कॉफी की खेती कर रहे हैं। मोदी ने आगे कहा कि दुनिया-भर में भारत की कॉफी बहुत लोकप्रिय हो रही है। चाहे कर्नाटका में चिकमंगलुरु, कुर्ग और हासन हो। तमिलनाडु में पुलनी, शेवरॉय, नीलगिरी और अन्नामलाई के इलाके हों, कर्नाटक-तमिलनाडु सीमा पर बिलिगिरि क्षेत्र हो या फिर केरला में वायनाड, त्रावणकोर और मालाबार के इलाके। भारत की कॉफी की डायवर्सिटी देखते ही बनती है।

बॉयलर फटने से फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 2 मजदूरों की मौत, 5 घायल

एजेंसी । सहारनपुर

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले से एक दिल दहला देने वाली औद्योगिक दुर्घटना की खबर सामने आई है। जिले के शेखपुरा कदीम क्षेत्र स्थित एक टायर से तेल निकालने वाली फैक्ट्री में अचानक बॉयलर फटने से जोरदार धमाका हुआ। धमाके के बाद आग इतनी भयंकर थी कि फैक्ट्री के कई हिस्से जलकर खाक हो गए। हादसे में 2 मजदूरों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 5 अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फैक्ट्री में उस समय करीब 10 से 12 मजदूर काम कर रहे थे। अचानक बॉयलर से तेज आवाज के साथ धमाका हुआ और तेल के टैंक में आग फैल गई। कुछ मजदूर समय रहते बाहर निकल गए, लेकिन कई अंदर फंस गए। आवाज इतनी तेज थी कि कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। आसपास के लोग जब फैक्ट्री की ओर दौड़े, तो वहां लपटें आसमान छू रही थीं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां आग बुझाने में लगीं और लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। एसपी सिटी ने बताया कि राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया था। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जबकि घायलों का सरकारी अस्पताल में इलाज जारी है।

औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदला

एजेंसी । औरंगाबाद

महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर का नाम बदलने के तीन साल बाद, सेंट्रल रेलवे ने औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का आधिकारिक नाम बदलकर 'छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन' कर दिया है। ऑनलाइन टिकट और आरक्षणों में इस्तेमाल होने वाला स्टेशन का नया कोड होगा। यह स्टेशन साउथ सेंट्रल रेलवे के नांदेड़ डिवीजन के अंतर्गत आता है। गौरतलब है कि भाजता नेता और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार ने विगत 15 अक्तूबर को इसका नाम बदलने का गजट नोटिफिकेशन जारी किया था। तीन साल पहले तत्कालीन सरकार ने औरंगाबाद शहर का नाम छत्रपति संभाजीनगर किया था। ये फैसला छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र और मराठा राज्य के दूसरे शासक छत्रपति संभाजी के सम्मान में लिया गया। औरंगाबाद का नाम पहले मुगल सम्राट औरंगजेब के नाम पर रखा गया था। इतिहासकारों के मुताबिक औरंगाबाद रेलवे स्टेशन 1900 में हैदराबाद के सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान के शासनकाल में खोला गया था। छत्रपति संभाजीनगर एक पर्यटन केंद्र है और अजंता और एलोरा की गुफाओं सहित कई ऐतिहासिक स्मारकों से घिरा हुआ है, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र की इकाई-यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया है।

हवाओं की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंचने की आशंका

आंध्र प्रदेश, बंगाल और तमिलनाडु में चक्रवात मोंथा का खतरा

एजेंसी । नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवात मोंथा के चलते आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तमिलनाडु में अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, 28 से 31 अक्तूबर के बीच भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार 28 अक्तूबर की शाम काकीनाडा के पास मछिलीपट्टनम और कालिंगपट्टनम के बीच आंध्र तट को पार कर सकता है। इस दौरान हवाओं

की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंचने की आशंका है। आंध्र प्रदेश सरकार ने राहत, खाद्यान्न, ईंधन और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों को अलर्ट कर दिया है। राज्य के सभी सरकारी दुकानों में 26 अक्तूबर तक खाद्यान्न की आपूर्ति पूरी कर ली गई है। मंडल स्तर पर पर्याप्त स्टॉक रखा गया है। अन्य राज्यों ने भी राहत व जरूरी सामानों की आपूर्ति की तैयारियां पूरी कर ली हैं। ओडिशा सरकार ने राज्य में आपदा प्रबंधन की तैयारियां तेज कर दी हैं। मौसम विभाग ने राज्य के सभी 30 जिलों में 28 अक्तूबर से लगातार तीन दिन तक भारी बारिश होने का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं पश्चिम बंगाल को लेकर मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार से दक्षिण 24 परगना, झारग्राम, पूरबा (पूर्व) और पश्चिम (पश्चिम) मिदनापुर जिलों के कुछ इलाकों में तेज बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं।

गुजरात-महाराष्ट में बेमौसम बरसात

इस बीच अरब सागर में बने कम दबाव के असर से रविवार को गुजरात के कई इलाकों में बेमौसम बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई है। पिछले 34 घंटों में नवसारी में सबसे अधिक 157 मिमी वर्षा हुई।आईएमडी ने चेतावनी दी है कि नवसारी, वलसाड, अमरेली, जूनागढ़, भावनगर और गिर सोमनाथ जिलों में अगले कुछ दिनों के दौरान भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

27.10.25_1.09.25 Final.qxd 10/27/2025 2:09 AM Page 2

विस्मृति में दबा सूर्य उपासना का प्राचीन केंद्र देवढ़िया का सूर्य मंदिर, पर्यटन का इंतजार

■ **दीपावली की खुदाई में मिली थीं मूर्तियां, पोखरे में छिपा है इतिहास, हर छठ पर उमड़ती भीड़, पर विकास के वादे धरे रह जाते हैं**

रजनीकांत दूबे/बक्सर

बक्सर के राजपुर प्रखंड के देवढ़िया गांव में सूर्य उपासना का एक ऐसा केंद्र मौजूद है, जिसके महत्व से कम ही लोग वाकिफ हैं। कहते हैं कि यहां की आस्थाओं का सूर्य हर वर्ष छठ पर्व पर हजारों श्रद्धालुओं को नई रोशनी देता है। फिर भी यह मंदिर विकास की अंधेरी सुरंग में फंसा हुआ है, पर्यटन स्थल का दर्जा अब तक सपना ही बना हुआ है।

मंदिर का इतिहास पलटिए तो यह जगह सिर्फ पूजा-अर्चना का केन्द्र नहीं, बल्कि एक पुरातात्विक रहस्य भी समेटे है। स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि औरंगजेब के शासनकाल में मूर्तियों को खंडित कर इस पोखरे में फेंक दिया गया था। समय बीता, और वर्षों तक यह कथा धुंध की तरह तैरती रही। फिर एक दीपावली, जब ग्रामीण पोखरे की मिट्टी निकाल रहे

थे, तो इतिहास ने खुद को सामने ला खड़ा किया। भगवान भास्कर और हनुमान की प्राचीन मूर्तियां निकल आईं। उसी पल से ग्रामीणों की श्रद्धा और उम्मीद दोनों को फिर से पंख मिले। पुनः निर्माण का बीड़ा गांव ने उठाया और इस सूर्य मंदिर को फिर से अपनी पहचान मिलनी शुरू हुई। पोखरे की खुदाई में सात पुराने कुएं मिलने से इसका ऐतिहासिक महत्व और पुष्ट हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थल ग्रामीण पर्यटन और विरासत संरक्षण की दृष्टि से बहुमूल्य है, लेकिन सच्चाई इसके ठीक उलट दिखाई देती है। आज जब आप मंदिर परिसर में कदम रखेंगे तो सबसे ज्यादा आंखों में चुभता है, अधूरा विकास, साफ-सफाई का अभाव, प्रकाश व्यवस्था गायब, शौचालय और पेयजल की कमी तथा सुरक्षा इंतजाम नाम मात्र के। इतनी परेशानियों के बावजूद छठ महापर्व पर आस्था की भीड़ उमड़ती है। उत्तर प्रदेश, झारखंड, गाजीपुर, रोहतास और आरा सहित कई जिलों से व्रती यहां अर्घ्य देने आते हैं। पोखरा और मंदिर का नैसर्गिक सौंदर्य उन्हें वर्षों से खींचता आ रहा है, पर यह प्यार एकतरफा है, सरकार की नजरें अब तक नहीं पड़ीं। 2017 में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजपुर आए थे तो ग्रामीणों को लगा कि अब विकास तय है। 2019 में पुरातत्व विभाग और अफसरों ने सर्वे भी किया, इसे ग्रामीण पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की बात कह दी। मगर रिपोर्टें फाइलों में कैद रह गईं, काम जमीन पर नहीं उतरा। ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव आते ही वादों की रोशनी तेज हो जाती है, पर उसके बाद फिर वही अंधेरा। इतिहास बताता है कि यह धरोहर मिट्टी में दबकर भी खुद को बचाए रखती है। आस्था दिखाती है कि श्रद्धा लाख कठिनाइयों के बावजूद यहां से मुंह नहीं मोड़ती, लेकिन अब सवाल है कि क्या सरकार भी यहां अपनी जिम्मेदारी निभाएगी। स्थानीय लोग साफ कहते हैं कि पर्यटन स्थल का दर्जा मिल जाए तो रोजगार बढ़ेगा, गांव की किस्मत बदल जाएगी। देवढ़िया सूर्य मंदिर सिर्फ पूजा का स्थान नहीं, यह बिहार की गौरवशाली विरासत है। अब बस इंतजार है उस दिन का जब यह मंदिर श्रद्धा के साथ-साथ विकास का सूर्य भी उगते हुए देख सकेगा।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने मतदाताओं को निर्भीक मतदान का भरोसा दिलाया

बक्सर विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन तैयारियों की कड़ी निगरानी

केटी न्यूज/बक्सर

लोकसभा आम निर्वाचन-2025 को निष्पक्ष, शांतिपूर्वक एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन बक्सर पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी कड़ी में रविवार को बक्सर जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से बक्सर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्थापित स्थिर निगरानी दल (एसएसटी) जांच चौकियों का उच्च स्तरीय निरीक्षण किया। निरीक्षण अभियान चौसा प्रखंड के महत्वपूर्ण स्थलोंकृपंजरवा पुल, देवल पुल तथा चौसा मुख्य जांच चौकी पर केन्द्रित रहा। निरीक्षण के दौरान अपर जिला दण्डाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित अन्य वरीय पदाधिकारी भी साथ उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सभी व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों के प्रत्येक पहलू का गहन मूल्यांकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

-- वाहनों की सघन जांच और संदेहास्पद गतिविधियों पर पैनी नजर

जिलाधिकारी ने एसएसटी दलों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार प्रत्येक जांच चौकी पर वाहनों की कड़ी जांच की जाए। अवैध धनराशि, शराब, हथियार, मादक पदार्थ या किसी भी प्रकार की प्रलोभन सामग्री की आवाजाही पर पूरी तरह अंकुश लगाया जाए।

उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता का सख़्ती से पालन कराया जाएगा तथा इस दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले की सभी सीमाओं पर 24 घंटे सतत गश्ती एवं निगरानी जारी रहेगी। पुलिस की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी अवैध गतिविधि को चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का अवसर न मिले।

तकनीकी और सुरक्षा व्यवस्थाओं को और मजबूती का निर्देश

जिलाधिकारी ने सभी चेक पॉइंट्स पर उपलब्ध सुरक्षा एवं निगरानी साधनों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह सक्रिय रहें। प्रत्येक कर्मी के पास शरीर पर धारण किए जाने वाले कैमरे (बॉडी वॉर्न कैमरे) उपलब्ध हों। लॉगबुक अद्यतन रखी जाए तथा पर्याप्त बल एवं उचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक एसएसटी दल से समय-समय पर प्रतिवेदन प्राप्त कर समीक्षा की जाएगी, जिससे किसी भी कमी को तत्काल दूर किया जा सके।

संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता

जिलाधिकारी ने बताया कि जिले के सभी संवेदनशील और अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है। आवश्यकतानुसार वहां विशेष सुरक्षा बल की तैनाती भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी अनियमितता की सूचना प्राप्त होते ही त्वरित कार्रवाई की जाएगी ताकि मतदाता निर्भय होकर अपने मतदान अधिकार का प्रयोग कर सकें।

शांतिपूर्ण और निर्भीक मतदान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता

अधिकारियों ने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है कि मतदान प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी और निष्पक्ष हो। किसी भी मतदाता को भय या दबाव के माहौल में मतदान नहीं करना पड़े, इसके लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी ने आम मतदाताओं से भी अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि बक्सर के प्रत्येक नागरिक का वोट मूल्यवान है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हर व्यक्ति निर्भीक होकर मतदान कर सके। मौके पर जिलाधिकारी व एसपी के साथ अपर जिला दण्डाधिकारी, बक्सर सदर अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव पांडेय आदि मौजूद थे।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में डोर-टू-डोर कैंपेन चला रही है युवा मोर्चा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह को जिताने के लिए भाजपा युवा मोर्चा ने कमर कस लिया है। मोर्चा के जिला प्रवक्ता मनीष मिश्रा के नेतृत्व में रविवार को भी मोर्चा की टीम ने विस क्षेत्र के नंदन, अरियांव, लानखनडिहरा आदि गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया तथा लोगों से जदयू प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील की।

मनीष ने बताया कि इस दौरान लोगों को एनडीए सरकार के विकास कार्यों तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विजन को बता उनसे एनडीए के पक्ष में मतदान की अपील की जा रही है।

मनीष ने कहा कि एनडीए के पिछले दो दशक के साशन में बिहार व बिहारियों की पहचान बदल गई है। अब बिहारी कहना गर्व की बात बन गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन तथा उनके द्वारा अगले पांच वर्ष के लक्ष्यों की घोषणा के बाद से लोगों में एनडीए के प्रति जबर्दस्त उत्साह है।

उन्होंने कहा कि दूसरी तरफ डुमरांव विधायक के पांच वर्षों के कार्यकाल से क्षेत्र की जनता उब चुकी है तथा उन्हें इस बार सबक सिखाने की मूड बना चुकी है।

जन संपर्क के दौरान उनके साथ चाणक्य कुमार, विकास चौबे, धीरज पाठक, वियजकांत दूबे समेत युवा मोर्चा के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

रंगकर्मी एवं गंगासेवी सतीश मनमीत की पहल से बदली घाट की सूरत

■ **साफ-सफाई से लेकर शीतल जल तक की हुई समुचित व्यवस्था**

केटी न्यूज/बक्सर

लोक आस्था के महापर्व छठ में जहां प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हैं, वहीं अपने दम पर समाजसेवा की मिसाल पेश कर रहे रंगकर्मी एवं गंगासेवी सतीश श्रीवास्तव ह्यमनमीतह्न इस वर्ष भी स्थानीय गोला घाट को व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाए रखने में जुटे हैं। श्री गंगा सेवा समिति की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने बताया कि वर्ष 1998 से लगातार, बिना किसी चंदा और निस्वार्थ भाव से छठ व्रतियों के लिए निःशुल्क व्यवस्था की परंपरा जारी है। उन्होंने बताया कि इस बार भी गोला घाट पर साफ-सफाई, बिजली व्यवस्था, प्राथमिक चिकित्सा, शीतल जल, आम का दातुन/पल्लव, अर्घ्य के लिए गाय का दूध तथा चाय सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस सामाजिक अभियान में उनके परिवारजनों, मित्रों, मोहल्लेवासियों और शुभचिंतकों का भी अहम सहयोग मिलता रहा है। मनमीत ने बताया कि वर्ष 1998 से पूर्व गोला घाट की स्थिति काफी दयनीय थी। गंदगी और अंधेरे के कारण श्रद्धालुओं को हर बार परेशानियों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने इस समस्या की जानकारी कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को दी, पर सुनवाई न होने पर स्वयं ही पहल करने का निश्चय किया। दृढ़ संकल्प के साथ उन्होंने घाट पर भगवान सूर्य की तस्वीर रख पूजा प्रारंभ कर व्रतियों को समर्पित सेवा अभियान की शुरूआत की। समय के साथ सेवा का दायरा भी बढ़ता गया। वर्ष 2007 से यहां भव्य सजावट के साथ भगवान सूर्य की प्रतिमा स्थापित की गई और महाप्रसाद वितरण भी शुरू हुआ। आज दूर-दराज से हजारों श्रद्धालु गोला घाट पहुंचते हैं और पूजा की भव्यता को निहारते हैं।

सिर्फ छठ तक सीमित न रहकर, मनमीत हर रविवार यहां साफ-सफाई अभियान एवं गंगा स्वच्छता जागरूकता गतिविधियाँ भी चलाते हैं। विशेष अवसरों पर गंगा महाआरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वृक्षारोपण और सेमिनार का आयोजन कर जनमानस को मां गंगा की निर्मलता हेतु प्रेरित किया जाता है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
■ विशाल और सुसज्जित हॉल
■ आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
■ ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
■ बड़ा पार्किंग एरिया
■ 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
■ साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
■ बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
■ हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

छठ महापर्व की तैयारियों का बक्सर प्रशासन ने लिया जायजा, सुरक्षा-स्वच्छता पर विशेष जोर

केटी न्यूज/बक्सर

लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जिला प्रशासन एवं नगर पंचायत चौसा द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप देने की दिशा में व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं।

इसी क्रम में रविवार को जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह, पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य, अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव पांडेय, कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी, अंचलाधिकारी नीलेश कुमार, थानाध्यक्ष शंभू भगत एवं चौसा नगर पंचायत के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि डॉ. मनोज कुमार यादव सहित अधिकारियों की टीम ने महादेवा घाट से रानी घाट तक नाव द्वारा छठ घाटों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने साफ-सफाई,

बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा से जुड़े कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि आज शाम तक सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं, ताकि श्रद्धालु एवं व्रतीजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि छठ बिहार की पहचान है, इसलिए सभी विभाग समन्वित तरीके से काम करें और पर्व के सफल आयोजन में कोई कमी न रहे। पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि सभी घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती होगी। ड्रोन कैमरों से निगरानी और पेट्रोलिंग दल सक्रिय रहेंगे, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना की संभावना न रहे।

मुख्य पार्षद प्रतिनिधि डॉ. मनोज कुमार यादव ने कहा कि नगर पंचायत द्वारा छठ व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

निरीक्षण के पश्चात अधिकारियों ने शेरशाह व हुमायूं के बीच हुए युद्ध स्थल का भी अवलोकन किया। इस दौरान नगर पंचायत चौसा के वार्ड पार्षदों सहित कई जनप्रतिनिधि और स्थानीय अधिकारी उपस्थित रहे।

27.10.25_1.09.25 Final.qxd 10/27/2025 2:09 AM Page 3

खरना संपन्न, आज व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को आज अर्पित की जाएगी अर्घ्य

मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ ही संपन्न होगा लोक आस्था का महापर्व

- खरना का प्रसाद ग्रहण कर व्रतियों का 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास शुरू
- छठमय हुआ बाजार, पूरे दिन होते रही कलसूप, दौरा, फल, महावर समेत जरूरी समानों की खरीददारी

केटी न्यूज/डुमरांव

चारदिवसीय महापर्व छठ का पहला अर्घ्य आज अर्पित किया जाएगा। व्रती महिलाएं सोमवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दे व्रत के विधानों को पूरा करेंगी। इसके पूर्व लोक आस्था के इस महापर्व के तहत व्रतियों द्वारा खरना का प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास शुरू किया गया। सुबह से ही व्रती परिवारों में खरना को लेकर विशेष उत्साह था तथा व्रती पूरे दिन उपवास रह शाम में आम की लकड़ी पर गाय के दूध, गुड़ व नये चावल की खीर तथा गेहूं के आटे की रोटी बना प्रसाद ग्रहण किया तथा पूरे परिवार को भी ग्रहण कराया। इसके साथ ही उनका उपवास शुरू हो गया है, जो मंगलवार को दूसरे अर्घ्य के साथ पूरा होगा। खरना को ले व्रतियों में विशेष उत्साह देखा गया। वहीं, खरना का प्रसाद ग्रहण करने के लिए लोगों में दिलचस्पी थी। खरना के प्रसाद को काफी शुभ माना जाता है।

छठमय बना रहा बाजार, पूरे दिन चला खरीददारी का दौर

लोक आस्था के इस महापर्व को लेकर बाजार पूरे दिन गुलजार रहा। व्रति परिवारों द्वारा कलसूप, दौरा, महावर, फल, दिया, नये कपड़े समेत छठ पूजा में काम आने वाले अन्य सामानों की पूरे दिन खरीददारी की गई। आलम यह था कि राजगोला रोड, चौक रोड, स्टेशन रोड, शहीद पार्क रोड आदि में सिर्फ फल, कलसूप तथा छठ पूजा में उपयोग होने वाले सामग्रियों की दुकानें ही नजर आ रही थी। छठ को लेकर सैकड़ो अस्थायी दुकानें खुल गई है। जिस कारण रविवार को पूरे दिन बाजार में पैदल चलना भी मुश्किल साबित हो रहा था। सुबह से लेकर देर रात तक यही सिलसिला जारी रहा। सोमवार को भी बाजार में भीड़ उमड़ने की उम्मीद दुकानदारों को है। छठ को लेकर अच्छी बिक्री होने से दुकानदारों में हर्ष का माहौल था।

छठ घाटों पर बिखरेगी दुधिया रौशनी, चकाचक हुआ शहर

सोमवार को होने वाले पहले अर्घ्य के पर नगर के सभी छठ घाटों पर दुधिया रौशनी बिखरेगी। पूर्व संध्या तक नगर परिषद प्रशासन के साथ ही विभिन्न जगहों की छठ पूजा समितियों द्वारा घाटों की साफाई, रंग रोगन, झालर व रंगनी लाईट लगाने का काम युद्ध स्तर पर पूरा किया जा रहा था। इसके अलावे घाटों तक पहुंचने वाले मार्ग की सफाई, उस पर चूना व ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव का काम पूरा कर लिया गया था। सोमवार को दोपहर के पहले तक संपर्क पथों पर कालीन बिछाने का काम भी किया जाएगा। इसके अलावे भी कई अन्य तैयारियां पूजा समितियों द्वारा की जा रही थी। डुमरांव नगर परिषद के ईओ राहुल धर दूबे ने बताया कि छठ घाटों की सफाई का काम पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी चिन्हित घाटों पर सफाई के साथ ही लाईट की व्यवस्था की गई है। इसके अलावे सुरक्षा के लिहाज से बैरेकेडिंग भी कराई गई है तथा चिन्हित घाटों पर प्रशिक्षित गोताखोर, नाव, मेडिकल टीम, एंबुलेंस आदि की व्यवस्था की गई है। वहीं, छठ को लेकर प्रशासन भी अलर्ट मोड में है सभी चिन्हित घाटों पर मजिस्टेज्ट के नेतृत्व में पुलिस बल तथा क्वीक रिस्पांस टीम की तैनाती की गई है।

आकर्षण का केन्द्र रहेगा छठिया पोखरा

छठ के लिए डुमरांव नगर परिषद द्वारा 18 घाटों को चिन्हित किया गया है, लेकिन आकर्षण का केन्द्र ऐतिहासिक छठिया पोखरा ही रहेगा। बता दें कि इस तालाब के किनारे छठ पर्व करने का विशेष महत्व रहता है। यही कारण है कि करीब 50 हजार परिवार छठिया पोखरा के किनारे छठ करते है। प्रशासन का फोकस भी इसी जगह रहता है। बताया जाता है कि छठिया पोखरा पर छठ करने के लिए डुमरांव के अलावे बड़ी संख्या में दूसरे शहरों तथा आस पास के ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी आते है।

जल संरक्षण और प्रकृति से आत्मीय जुड़ाव का संदेश देता है छठ

ब्रह्मपुर। छठ पूजा की पूर्व सन्ध्या पर सूर्य पूजा समिति तुलसी स्थान एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधि दक्षिण बिहार प्रांत के कार्यकताओं ने तुलसी आश्रम रघुनाथपुर स्थित तालाब की साफ सफाई कर जलस्त्रोतों के संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण गतिविधि दक्षिण बिहार के जनसंवाद सह प्रमुख शैलेश ओझा ने जल स्त्रोतों की साफ सफाई एवं जल संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि छठ पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि मानव और प्रकृति के बीच गहरे संबंध का प्रतीक है। यह पूजा किसी भव्य मंदिर या धार्मिक स्थल पर नहीं बल्कि प्रकृति की गोद में गंगा तट, नदी, तालाब या पोखर के किनारे स्वच्छ जल में संपन्न होती है। आज जब नदियों और तालाबों में बढ़ता प्रदूषण जीवन के लिए खतरा बन चुका है तब छठ पूजा हमें जल को पवित्र और स्वच्छ रखने का प्रेरणा देता है। गौरतलब है कि तुलसी आश्रम स्थित तालाब छठ पूजा के लिए ग्रामीणों की आस्था का एक प्रमुख केंद्र है हर साल हजारों की संख्या में लोग यहां छठ पूजा करने आते हैं लेकिन तालाब की बदहाली ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। आस्था का प्रमुख केंद्र होने के बावजूद प्रशासनिक और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता की वजह से यह पवित्र तालाब उपेक्षित है। प्रशासन द्वारा छठ पूजा पर भी इसकी साफ सफाई की व्यवस्था नहीं की जाती है। सूर्य पूजा समिति एवं कुछ जागरूक स्थानीय युवाओं द्वारा छठ पूजा के अवसर पर ही इस तालाब की साफ सफाई की जाती है। कच्चे घाट, कटाव, और फिसलन होने की वजह से यहां छठ व्रतियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार कभी गोस्वामी तुलसीदास जी ने यहां प्रवास किया था और यहीं तालाब के किनारे कुटिया में प्रवास के दौरान उन्होंने उत्तराकांड की रचना की थी बावजूद इसके धार्मिक और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण इस जगह का अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत वर्ष 2021- 22 में छह लाख चौवन हजार की लागत से तालाब का सौंदर्यीकरण और पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य हुआ था। तालाब के उतरी भाग में ग्राम पंचायत विकास निधि से तालाब के उतरी भाग में पक्के घाट का निर्माण कराया गया था मगर तालाब के ज्यादातर भाग में अभी कच्चा घाट ही है जिससे छठ व्रतियों को काफी परेशानी होती है। रघुनाथपुर के तत्कालीन मुखिया स्वर्गीय श्रीराम ओझा के प्रयासों से पहली बार तुलसी पथ का पक्कीकरण करवाया गया था। इस पथ का 1.2 किलोमीटर हिस्सा पथ निर्माण विभाग बिहार सरकार द्वारा अनुरक्षित किया जाता है जिसकी सीमा तुलसी आश्रम से 300 मीटर पहले समाप्त हो जाती है। इसके बाद का हिस्सा पूरी तरह जर्जर और उपेक्षित है। सूर्य पूजा समिति, तुलसी स्थान से जुड़े शैलेश ओझा, सनोज कुमार, विशाल सिंह, आनंद शर्मा, अनिरुद्ध कुमार, ओमजी, रविन्द्र कुमार आदि ने बताया कि छठ महापर्व के दौरान इसी रास्ते से छठव्रती भुईपरी करते हुए तुलसी आश्रम स्थित तालाब तक जाते हैं। पिछले कई वर्षों से छठ पूजा समिति द्वारा पूजा के दौरान इस सड़क पर मिट्टी डालकर गड्ढे को भरा जाता है साथ ही पुलिया पर बांस द्वारा अस्थाई रेलिंग बनाकर सुरक्षित किया जाता है। बार बार गुहार के बाद भी प्रशासन और जनप्रतिनियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया।

एक नजर

केसठ में खरना कर छठ व्रतियों ने किया प्रसाद ग्रहण, पहला अर्घ्य आज

केसठ। लोक आस्था का चार दिवसीय छठ महापर्व शनिवार से ही नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया है। व्रत रखने वाली श्रद्धालु महिलाओं ने नहाय-खाय कर रविवार को खरना किया। व्रतियों ने स्नान ध्यान कर पुजा अर्चना की। इन व्रतियों ने स्वयं प्रसाद बनाकर ग्रहण कर घर-घर प्रसाद वितरण किया। इसके बाद छठ व्रती अर्घ्य देने की तैयारी में जुट गईं हैं। वही सोमवार को भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य और मंगलवार को दूसरा अर्घ्य दिया जाएगा। इस दौरान पूजन सामग्री की खरीदारी को लेकर बाजार में काफी भीड़ देखी गई। छठ व्रती अपनी मनोकामना पूर्ण,सुख और शांति के लिए छठ का व्रत रखकर सूर्य भगवान की पूजा अर्चना करती हैं। महिलाएं छठ पर्व पर व्रत रखने की तैयारी कर रहीं हैं। छठ के लोक गीतों से घर आंगन और बाजार गुलजार हो गया है।छठ माहापर्व के केरवा पात पर नेवता पेठवनी समेत अन्य छठ गीतों से पूरा वातावरण भक्ति में बन गया है।

छठ पूजा की तैयारियां पूरी, प्रखंड क्षेत्र के घाट श्रद्धा और भक्ति से सजकर तैयार

केसठ। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर पूरे प्रखंड क्षेत्र में तैयारी का कार्य अब पूर्ण हो गया है। श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर की आराधना के इस पावन पर्व के लिए घाटों की सफाई, सजावट और वेदी निर्माण का कार्य पूरा कर लिया है। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्राचीन तालाब, नया बाजार राजवाहा नहर और मिठाइयां पुल के समीप बने घाटों को फूलों, केले के पत्तों और रंगीन लाइटों से सजाया गया है।ग्रामीणों, युवाओं और महिलाओं ने मिलजुलकर जलाशयों को पूजा योग्य बनाया है। प्रखंड प्रशासन की ओर से सुरक्षा, रोशनी और साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था कर दी गई है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। छठ पूजा सेवा समिति प्रखंड परिसर पोखरा के अध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि सभी प्रमुख घाटों पर सजावट और सुरक्षा व्यवस्था का कार्य पूरा कर लिया गया है।व्रतधारी महिलाएं अब संध्या अर्घ्य की तैयारी में जुट गई हैं, जबकि पुरुष श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों पर अंतिम व्यवस्था देख रहे हैं। पूरा क्षेत्र छठ गीतों की गूंज और भक्ति के रंग में रंग गया है। सूर्योपासना का यह पर्व पूरे प्रखंड में आस्था, उमंग और एकता का संदेश बिखेर रहा है।

आस्था का महान पर्व छठ पूजा की तैयारी पूर्ण, सोमवार को सूर्य भगवान को पड़ेगा पहला अर्घ्य

डुमरांव। आस्था के महान पर्व छठ पूजा को लेकर नगर परिषद द्वारा चिन्हित 18 घाटों को पूजा के लिये तैयार कर लिया गया है। वही घाटों पर स्थानीय पूजा समिति भी अपने-अपने कार्यों को बांट उसे अंजाम देने में लग गई है। डुमरांव शहर एवं विस्तारित क्षेत्र के 18 घाटों पर स्थानीय पूजा समिति पहले से काम करती चली आ रही है। इस वर्ष भी पूरे जोश के साथ समिति के कार्यकर्ता अपनी जिम्मेवारी निभाने में मशगुल हो गए हैं। इन समितियों में पंचवटी कला निकेतन छठिया पोखरा की सफाई की जिम्मेवारी सौंपी गई है। वहीं नवयुवक सुरक्षा समिति ने भगवान भाष्कर सहित अन्य देवि-देवताओं के मूर्ति निर्माण कराएगा। उसी तरह से नवोदय कला मंच चतुरशाल गंज की तरफ से लाइट की व्यवस्था के साथ सुरक्षा के लिये बारकेडिंग और सफाई की जिम्मेवारी निभाएगी। नगर परिषद भी सभी छठ घाटों की सफाई, तलाब, नहर या नदी में होने वाले घाटों की सफाई कराएगा। फिर सुरक्षा के लिये तलाबों में लाल घेरा बनाकर उसके पार जाने के लिये प्रतिबंधित करेगा। फिर बिजली व्यवस्था, तोरणद्वार, बनाया जा रहा है। इतना ही नहीं घार छठ घाटों पर चेंजिंग रूम चार बनाए गए हैं, जिससे व्रतियों या परिवार के लोगों को स्नान करने के बाद कपड़ा बदलने में कोई परेशानी नहीं होगी। इतना ही नहीं एसडीओ राकेश कुमार ने हर छठ घाट पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल को तैनात रखने के लिये संबंधित अधिकारी को आदेशित कर दिया है।

छठ पूजा को लेकर नया बाजार केसठ में उमड़ी भीड़, महंगाई हुई बेअसर

- खरीदारी से गुलजार रहा बाजार, देर शाम तक रही रौनक

केटी न्यूज/केसठ

छठ महापर्व को लेकर रविवार को प्रखंड मुख्यालय के नया बाजार में जबरदस्त रौनक देखने को मिली। बाजार में सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। हर तरफ पूजा सामग्री, फल-फूल, नारियल, ईख और प्रसाद की खरीदारी करते श्रद्धालु नजर आए। बढ़ी हुई कीमतों का असर लोगों की श्रद्धा पर बिल्कुल भी नहीं दिखा। महंगाई बेअसर रही और लोगों ने जमकर खरीदारी की।स्थानीय दुकानदारों के चेहरे पर रौनक थी। बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार खरीदारों की संख्या कहीं अधिक रही है। एक दुकानदार ने बताया कि फल और पूजा सामग्री की कीमतों में इस बार थोड़ी बढ़ोतरी हुई है, फिर भी लोगों ने श्रद्धा से खरीदारी की। बाजार में सेब, केला, संतरा, नारियल, ईख और नींबू की खूब मांग रही। वहीं छठ घाटों पर सजावट के लिए दीया, डालिया, सूप और बांस के बने सामानों की बिक्री भी जोरों पर रही।महिलाएं पारंपरिक परिधान में सजे-धजे बाजार में खरीदारी करती नजर आईं। शाम होते-होते नया बाजार पूरी तरह छठमय हो गया। जगह-जगह भीड़ के बीच पुलिस और प्रशासन के लोग भी मुस्तैद दिखे ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो।लोगों में छठ पर्व को लेकर उत्साह चरम पर है। कहा जा सकता है कि केसठ का बाजार इस बार श्रद्धा, भक्ति और आस्था के रंग में पूरी तरह रंगा नजर आया।

डुमरांव का जाम, विकास की तस्वीर या कागजों में सिमटी योजनाओं की पोल

- निवर्तमान विधायक की मुश्किलें बढ़ा सकती है सड़क निर्माण में विलंब व जाम जैसी समस्याएं
- छठ पर्व पर बढ़ा दबाव, पर समस्या की जड़ वर्षों से अनदेखी; बाईपास निर्माण ठप और व्यवस्था केवल वीआईपी मूवमेंट पर ही रहती है चुस्त

केटी न्यूज/डुमरांव

लोक आस्था के महापर्व छठ पर्व की चहल-पहल ने डुमरांव की सड़कों पर रौनक बढ़ा दी है, पर इसी भीड़ ने शहर की एक पुरानी सच्चाई फिर उजागर कर दी है, डुमरांव की ट्रैफिक व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है। रविवार को प्रखंड कार्यालय से लेकर बैंक ऑफ बड़ौदा तक दिनभर जाम लगा रहा, और यह हालात शहर की उसी कमजोरी की ओर इशारा करता है, जिसे प्रशासन वर्षों से नजरअंदाज करता आया है। ऐसा नहीं कि सिर्फ छठ के दौरान ही यह समस्यां देखने को मिल रही है बल्कि दुगार्पूजा व दीपावली जैसे हिन्दुओं प्रमुख त्योहारों में भी कुछ ऐसा ही नजारा था। त्योहारी सीजन में गंभीर हो चुकी इस समस्या से आम आवाम, वाहन चालाकों, पैदल यात्रियों, छात्र-युवाओं तथा व्यवसायियों सभी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में आसन्न विधान सभा में डुमरांव की उखड़ चुकी टैजफिक व्यवस्था निवर्तमान विधायक की मुश्किलें बढ़ा सकती है। जानकारों का कहना है कि हर दिन जाम की समस्या झेल रहे लोगों तथा टैजफिक व्यवस्था ध्वस्त होने से डुमरांव के व्यवसायियों को पहुंच रहा नुकसान का आक्रोश यदि वोट में तब्दील हो जाए तो निवर्तमान विधायक का बोरिया बिस्तर बंधना तय है।

हर दिन जाम, हर बार वही शिकायत

स्थानीय लोग बताते हैं कि जाम अब डुमरांव की पहचान बन चुका है। किसी के ऑफिस का समय निकल जाता है, तो कोई अस्पताल जाने से पहले ही सड़क पर फंस जाता है। छठ की खरीदारी में आए लोगों को मात्र दो किलोमीटर की दूरी तय करने में घंटों का समय लग रहा था। आसपास के क्षेत्रों, लालगंज कड़वी, स्टेशन रोड, चाणक्य कॉलोनी, खिरौली से आने वाले लोग तो मजबूरी में डुमरांव से दूरी बनाने लगे हैं। जाम लगने से व्यवसाय पर भी असर दिख रहा है। दुकानदारों का कहना है कि ग्राहक रास्ते में ही थककर लौट जा रहे हैं या बक्सर और अन्य बाजारों का विकल्प चुन रहे हैं।

वीआईपी के आने से होती है चमत्कारिक सुधार

शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनसभा के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था बिल्कुल अनुशासित दिखी। हर चौराहे पर पुलिस बल, बैरिकेडिंग, और सुचारू यातायात, परंतु जैसे ही मुख्यमंत्री प्रस्थान कर गए, व्यवस्था में वही ढिलाई लौट आई। इससे जनता का प्रशासन पर यह आरोप और मजबूत होता है कि व्यवस्था सिर्फ वीआईपी के लिए, जनता के लिए नहीं।

सुभाषितम्

जो शिक्षा मनुष्य को संकीर्ण और स्वार्थी बना देती है, उसका मूल्य किसी युग में चाहे जो रहा हो, अब नहीं है।- शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय

कार्बाइड गन से भारत में हजारों लोग अंधे?

भारत में तकनीक और नवाचार के नाम पर कई बार ऐसी चीजें प्रचलन में आ जाती हैं जो दिखने में साधारण और बड़े काम की लगती हैं, लेकिन अंत परिणाम में समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाती हैं। कार्बाइड गन्स इसका ताजा उदाहरण है। मूल रूप से यह गन पक्षियों और जानवरों को भगाने के लिए उपयोग में लाई जाती थी। दीपावली के अवसर पर हाल के दिनों में यह गन मासूम बच्चों और आम नागरिकों की जान और आंखों की रोशनी छीनने का कारण बन रही है। दीपावली के अवसर पर देशभर में इस कार्बाइड गन को जिस तरह से पटाखे के रूप में उपयोग किया गया है। बच्चों और आम नागरिकों के हाथ में यह गन थी। भीड़भाड़ वाले इलाकों में इसका उपयोग किया गया। इसके कारण दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, सहित कई राज्यों में हजारों लोगों की आंखों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इसमें सैकड़ों लोग स्थाई रूप से अंधे हो गए हैं। हजारों लोग अस्पताल में आंखों का इलाज करा रहे हैं। इस कार्बाइड गन को लोगों ने जुगाड़ से भी तैयार किया। जब इसे उपयोग में लाया गया, तो सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। मध्य प्रदेश में हाल ही में हुई कई घटनाओं के बाद सरकार ने इसे घातक घोषित करते हुए, प्रदेश में कार्बाइड गन पर प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस गन को हानिकारक विस्फोटक उपकरणों की श्रेणी में रखा गया है। सरकार ने यदि कोई भी व्यक्ति इस गन को बनाता, खरीदता या बेचता है तो उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट 1959, विस्फोटक अधिनियम 1884 और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 के तहत कठोर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नियम में जो परिवर्तन किया गया है, उसके बाद कार्बाइड गन बेचने वालों को आसानी से जमानत नहीं मिलेगी। यह सख्त कदम समय की मांग थी। मध्य प्रदेश सरकार ने तत्काल कार्यवाही करते हुए इस पर रोक लगाने का काम किया। कार्बाइड गन से भोपाल, होशंगाबाद, बैतूल और जबलपुर जैसे जिलों में गनों से किए गए विस्फोट के कारण बच्चों की आंखें जलने और किए गए विस्फोट के कारण स्थायी अंधेपन के कई मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में 10 लोगों की आंखें पूरी तरह से खराब हुई हैं। इनमें से चार लोगों की सर्जरी की गई है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में 150 लोग और पटना के 50 से अधिक लोग इस गन के विस्फोट से घायल हुए हैं। कार्बाइड गन प्लास्टिक के साधारण से पाइप से तैयार हो जाती है। गैस लाइटर, कैल्शियम और कार्बाइड से तैयार कर इसे आसानी से उपयोग में लाया जा सकता है। कार्बाइड का उपयोग फलों को पकाने और औद्योगिक कार्यों के लिए उपयोग में होता है। जो सभी शहरों में आसानी से उपलब्ध है। यह गन 150 रुपए से लेकर 2000 रुपये तक में आसानी से देश भर में उपलब्ध थी। इस बार पटाखों की दुकानों और ऑनलाइन इस गन को बेचा गया है। सोशल मीडिया की इसमें बड़ी भूमिका थी। दीपावली के अवसर पर इसका बड़े पैमाने पर विस्फोटक के रूप में इस्तेमाल किया गया है। प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े और कार्बाइड धुंए के कारण हजारों लोगों की आंखों को नुकसान पहुंचा है। सैकड़ों लोगों की आंखों की रोशनी चली गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर यह खतरनाक गन 1300 से 2500 रुपये में खुलेआम आज भी बिक रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस गन का उपयोग हुड़दंगियों भगाने वाली गन्स या हाथपंप पाइप्स जैसे नाम से होता है। सच्चाई यह है, इसमें उपयोग होने वाला कार्बाइड और पानी का मिश्रण गैस विस्फोट पैदा करता है। जो तेज आवाज के साथ खतरनाक आग और दबाव उत्पन्न करता है। जिसका असर काफी दूर तक होता है। इसी विस्फोट से बच्चों और किशोरों के गंभीर रूप से झुलसने के कई मामले सामने आए हैं। मध्य प्रदेश सरकार का यह प्रतिबंध सराहनीय है।

चिंतन-मनन

स्वस्थ समाज को करें आत्म जागरण

पिछले कुछ समय से अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद का प्रभाव बढ़ा है। इसी वजह से अध्यात्म के क्षेत्र में भी असंतुलन हुआ है। अतः स्वस्थ समाज के लिए आत्म जागरण जरूरी है। जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद के अनुसार अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद ने प्रभाव डाला है और यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक युग है। इसमें पदार्थों की अधिक इच्छा के कारण व्यक्ति अशांत रहता है। अति भोगवाद स्वच्छंद और अनियंत्रित भोगवाद के कारण स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसके लिए हर मनुष्य को अनुशासित व संस्कारित होना होगा, तभी वह समाज व सृष्टि के लिए उपयोगी होगा और व्यक्ति को संस्कारित करना ही अध्यात्म का काम है। आज मनुष्य उपभोक्ता बनकर रह गया है। उसी ताकत के बारे पर सिर्फ बाहर से जगाया जा रहा है, जबकि आज आवश्यकता है आत्म जागरण की। आध्यात्मिक अनुष्ठान से ही व्यक्ति के अंतर को जगाया जा सकता है। मनुष्य ने जल, वायु और पृथ्वी की निरंतर उपेक्षा से बहुत कुछ बिगाड़ दिया है। आज पीने लायक जल सिर्फ डेढ़ प्रतिशत बचा है। अगर अब भी मनुष्य नहीं जागा तो जल संकट और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का काम हो रहा है, ऐसे में अत्यंत प्राचीन काल में बने रामसेतु को भी संरक्षित करना चाहिए। यह धर्म विशेष नहीं बल्कि मानव मात्र की योग्यता और क्षमता का ऐतिहासिक प्रमाण भी है। रामचरितमानस एक ऐसी कथा का वर्णन है जिसमें सभी का निचोड़ है। जो व्यक्ति अपनी ज्यादा प्रशंसा सुनना पसंद करता है, वह कभी ऊंचाई नहीं छू पाता। यही अवगुण दशानन रावण में भी था। वह अपनी गलती को स्वीकार न करते हुए प्रशंसा सुनने में ज्यादा मन लगाता था। रावण को कई बार उसकी पत्नी मन्दोदरी और भाई विभीषण ने समझाया लेकिन उसे बात समझ नहीं आई। इसीलिए प्रभु श्रीराम के हाथों रावण का नाश हुआ।

सूर्य पूजा की परम्परा वैदिक काल से ही रही है

- रमेश सर्राफ धमोरा

दिवाली के बाद छठ पूजा का त्योहार बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस पर्व के दौरान घर से लेकर घाटों तक बेहद खास रौनक देखने को मिलती है। छठ पूजा की शुरुआत कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से होती है और समापन सप्तमी तिथि पर होता है। इस दौरान छठी मैया की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। इस व्रत को निर्जला किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार छठी मैया की उपासना और व्रत करने से संतान की दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। छठ पूजा भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है। भारत में सूर्य पूजा की परम्परा वैदिक काल से ही रही है। उत्तर प्रदेश और बिहार में मनाया जाने वाला यह बेहद अहम पर्व है जो पूरे देश में धूम-धाम से मनाया जाता है। छठ पूजा केवल एक पर्व नहीं है बल्कि महापर्व है जो कुल चार दिन तक चलता है। नहाय खाय से लेकर उगते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य देने तक चलने वाले इस पर्व का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है। हमारे देश में सूर्य उपासना के कई प्रसिद्ध लोकपर्व हैं जो अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग रीति-रिवाजों के साथ मनाए जाते हैं। सूर्य षष्ठी के महत्व को देखते हुए इस पर्व को सूर्य

छठ या डाला छठ के नाम से संबोधित किया जाता है। इस पर्व को बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और नेपाल की तराई समेत देश के उन तमाम महानगरों में मनाया जाता है। जहां-जहां इन प्रांतों के लोग निवास करते हैं। यही नहीं, मॉरिशस, त्रिनिदाद, सूरीनाम, जावा समेत विदेशों में भी भारतीय मूल के प्रवासी छठ पर्व को बड़ी आस्था और धूमधाम से मनाते हैं। दूसरे सूर्य की विशेष पूजा ही छठ का पर्व है। चढ़ते सूरज को सभी प्रणाम करते हैं। छठ पर्व की सांस्कृतिक परम्परा में चार दिन का व्रत रखा जाता है। यह व्रत भैया दूज के तीसरे दिन यानि शुक्ला पक्ष की चतुर्थी तिथि से आरंभ हो जाते हैं। व्रत के पहले दिन को नहा-खा कहते हैं। जिसका शाब्दिक अर्थ है स्नान के बाद खाना। इस दिन पवित्र नदी में श्रद्धालु स्नान करते हैं। वैसे तो यह पर्व मूल रूप से स्त्रियों द्वारा मनाया जाता है। लेकिन आजकल पुरुष भी इसमें समान रूप से सहयोग देते हैं। ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत सूर्य है। इस कारण शास्त्रों में सूर्य को भगवान मानते हैं। सूर्य के बिना कुछ दिन रहने की जरा कल्पना कीजिए। इनका जीवन के लिए इनका रोज उदित होना जरूरी है। कुछ इसी तरह की परिकल्पना के साथ पूर्वोत्तर भारत के लोग छठ महोत्सव के रूप में इनकी आराधना करते हैं। सामान्यतः यह त्योहार बिहार, झारखण्ड और पूर्वी उत्तर-प्रदेश में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में छठ पूजा को महापर्व घोषित कर सरकारी छुट्टी भी लागू कर दी गई है। छठ पूजा का व्रत सूर्य भगवान, उषा, प्रकृति, जल, वायु आदि को समर्पित है। इस व्रत को करने से निःसंतान दंपतियों को संतान सुख प्राप्त होता है। छठ पर्व को किसने शुरू किया इसके पीछे कई ऐतिहासिक कहानियां प्रचलित हैं। लंका विजय के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास किया और सूर्यदेव की आराधना की थी। सप्तमी को सूर्योदय के समय अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशीर्वाद प्राप्त किया था। इसी के उपलक्ष्य में छठ पूजा की जाती है।

छठ का पौराणिक महत्व अनादिकाल से बना हुआ है। रामायण काल में सीता ने गंगा तट पर छठ पूजा की थी। महाभारत काल में कुंती ने भी सरस्वती नदी के तट पर सूर्य पूजा की थी। इसके परिणाम स्वरूप उन्हें पांडवों जैसे पुत्रों का सुख मिला था। द्रौपदी ने भी हस्तिनापुर से निकलकर यह गांव में छठ पूजा की थी। छठ पूजा का सम्बंध हठयोग से भी है। जिसमें बिना भोजन ग्रहण किए हुए लगातार पानी में खड़ा रहना पड़ता है। जिससे शरीर के अशुद्ध जीवाणु परास्त हो जाते हैं। छठ पर्व की परम्परा में वैज्ञानिक और ज्योतिषीय महत्व भी छिपा हुआ है। षष्ठी तिथि एक विशेष खगोलीय अवसर है। जिस समय धरती के दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य रहता है और दक्षिणायन के सूर्य की अल्ट्रावॉयलेट किरणें धरती पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाती हैं। इन दूषित किरणों का सीधा प्रभाव जनसाधारण की आंखों, पेट, त्वचा आदि पर पड़ता है। इस पर्व के पालन से सूर्य प्रकाश की इन पराबैंगनी किरणों से जनसाधारण को हानि न पहुंचे। इस अभिप्राय से सूर्य पूजा का गूढ़ रहस्य छिपा हुआ है। इसके साथ ही घर-परिवार की सुख-समृद्धि और आरोग्यता से भी छठ पूजा का व्रत जुड़ा हुआ है। इस व्रत का मुख्य उद्देश्य पति, पत्नी, पुत्र, पौत्र सहित सभी परिजनों के लिए मंगल कामना से भी जुड़ा हुआ है। लोक परम्परा के मुताबिक सूर्य देव और छठी मईया का संबंध भाई-बहन का है। इसलिए छठ के मौके पर सूर्य की आराधना फलदायी मानी गई। छठ पूजा अथवा छठ पर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। छठ से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं और लोक गाथाओं पर गौर करें तो पता चलता है कि भारत के आदिकालीन सूर्यवंशी राजाओं का यह मुख्य पर्व था। छठ के साथ स्कंद पूजा की भी परम्परा जुड़ी है। भगवान शिव के तेज से उत्पन्न बालक स्कंद की छह कृतिकाओं ने स्तनपान करा रक्षा की थी। इसी कारण स्कंद के छह मुख हैं और उन्हें कार्तिकेय नाम से पुकारा जाने लगा। कार्तिक से संबंध होने के कारण षष्ठी देवी को स्कंद की पत्नी देवसेना नाम से भी पूजा जाने लगा। एक मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य की पूजा करके की थी। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे और वो रोज घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बने। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही परंपरा प्रचलित है। छठ पर्व के बारे में एक कथा और भी है। इस कथा के मुताबिक जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए तब द्रौपदी ने छठ व्रत रखा था। इस व्रत से उनकी मनोकामना पूरी हुई थी और पांडवों को अपना राजपाट वापस मिल गया था। महापर्व छठ हिंदू धर्म में एकमात्र ऐसा पर्व है जिसमें न केवल उदयाचल सूर्य की पूजा की जाती है बल्कि अस्ताचलगामी सूर्य को भी पूजा जाता है।

बिहार में बड़ा राजनीतिक दाव-महागठबन्धन के लिए चाणक्य बने अशोक गहलोत

- विनोद कुमार सिंह

बिहार की राजनीति एक बार फिर अपने निर्णायक मोड़ पर है। विधान सभा चुनाव 2025 से ठीक पहले कांग्रेस और आरजेडी ने ऐसा दांव चला है, जिसने एनडीए की रणनीति को झकझोर दिया है। पटना में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने घोषणा की कि यदि महागठबंधन को बहुमत मिला तो तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री और वीआईपी पार्टी के मुकेश सहनी उपमुख्यमंत्री होंगे। यह घोषणा केवल नाम तय करने की औपचारिकता नहीं थी-यह बिहार की सामाजिक और जातीय राजनीति की गहरी समझ और कांग्रेस की व्यावहारिक मजबूती का प्रतीक है। बिहार चुनावों में चाणक्य शब्द हमेशा गूंजता रहा है। कूटनीति, बुद्धि और रणनीति के प्रतीक के रूप में कभी अमित शाह को भाजपा का चाणक्य कहा गया, तो कभी प्रशांत किशोर की चुनावी रणनीति का मास्टरमाइंड बताया गया, लेकिन इस बार मैदान में उतरे हैं अशोक गहलोत, जिन्होंने कांग्रेस और आरजेडी के बीच महीनों से चल रहे मतभेद को सुलझाकर पूरा गठबंधन को एक सूत्र में बांधा। उन्होंने वह कर दिखाया जो बिहार कांग्रेस के स्थानीय नेता नहीं कर पा रहे थे-संवाद की डोर को फिर से जोड़ना। गहलोत ने कांग्रेस हाईकमान को यह समझाया कि बिहार में आरजेडी के बिना कांग्रेस का अस्तित्व टिकना मुश्किल है। 2020 के चुनाव में कांग्रेस ने अकेले मैदान में उतरकर जो राजनीतिक क्षति उठाई, वह अब दोहराई नहीं जा सकती। उन्होंने महागठबंधन को

पुनर्जीवित कर, तेजस्वी यादव के नेतृत्व पर सहमति दिलवाई। इस तरह गहलोत ने खुद को कांग्रेस के भाग्यरचयिता के रूप में स्थापित किया, जिन्होंने बिहार की उलझी हुई समीकरणों में नया जीवन फूंका।

जातीय गणित और सामाजिक इंजीनियरिंग का नया फॉर्मूला -बिहार की राजनीति का मूल सीधा-सा जाति है। यहां बिना सामाजिक समीकरण साधे कोई भी दल सत्ता की दहलीज नहीं छू सकता। महागठबंधन की नई रणनीति भी इसी यथार्थ पर आधारित है। राजनीतिक गणना कहती है कि यहाँ यादव लगभग 14%, मुसलमान 18%, मल्लाह समुदाय लगभग 6% और अति पिछड़ा वर्ग लगभग 20% हैं। महागठबंधन ने यादव-मुस्लिम समीकरण को तेजस्वी के माध्यम से और अति पिछड़े-मल्लाहों को मुकेश सहनी के जरिये साधने का प्रयास किया है। यह वही सामाजिक फॉर्मूला है जिसने 2015 में महागठबंधन को ऐतिहासिक विजय दिलाई थी। फर्क सिर्फ इतना है कि तब नीतीश कुमार चेहरे थे, और आज तेजस्वी यादव अपने युवा जोश और सामाजिक जुड़ाव के साथ इस भूमिका में हैं। कांग्रेस बिहार में अपने सियासी अस्तित्व की जंग लड़ रही है। राहुल गांधी की "वोटर अधिकार यात्रा" ने संगठन में नई ऊर्जा भरी थी, लेकिन प्रदेश नेतृत्व की आंतरकलह ने समीकरण बिगाड़ दिए। कृष्णा अल्लावरू, राजेश राम और अन्य नेताओं ने यह तर्क दिया कि तेजस्वी के नाम पर मुख्यमंत्री ओवैसी और सवर्ण वोटर दूर हो सकते हैं, परंतु गहलोत ने तर्कों के उलझे जाल को काटते हुए स्पष्ट किया तेजस्वी ही वह चेहरा हैं जिनके बिना महागठबंधन एकजुट नहीं हो सकता। गहलोत की इस रणनीति ने कांग्रेस को दो लाभ दिए -1. आरजेडी के साथ फिर से गठजोड़ मजबूत हुआ। 2. महागठबंधन के अन्य घटक दल - सीपीआई, सीपीएम, माले और वीआईपी-कांग्रेस के साथ खड़े हुए। एनडीए पर राजनीतिक प्रभाव अब सवाल यह है कि इस घोषणा का प्रभाव क्या होगा? स्वाभाविक रूप से बिहार की राजनीति में एनडीए (भाजपा-जेडीयू गठबंधन) के लिए यह चुनौतीपूर्ण मोड़ है। एनडीए की नींव जातीय संतुलन, विकास व सुशासन के वादे पर टिकी है, परंतु नीतीश कुमार के नेतृत्व में थकान और भाजपा के भीतर असंतोष की झलक दिख रही है। तेजस्वी को सीएम चेहरा घोषित करने के साथ ही महागठबंधन ने चुनावी विमर्श को विकास बनाम सामाजिक न्याय से हटाकर युवा नेतृत्व बनाम थकी हुई सत्ता के रूप में बदल दिया है।

युवाओं और अल्पसंख्यकों में तेजस्वी की पकड़, तथा अति पिछड़ों में मुकेश सहनी की पहचान यह एनडीए की डबल इंजन नीति पर भारी पड़ सकती है। भाजपा अब तक नीतीश कुमार की विश्वसनीयता पर भरोसा करती रही, परंतु इस बार गहलोत तेजस्वी की जोड़ी ने सामाजिक समीकरणों को नई दिशा दे दी है। बिहार का पूर्वी उत्तरी क्षेत्र (सीवान, सारण, गोपालगंज, दरभंगा, मधुबनी) यादव मुस्लिम बहुल है, जहाँ महागठबंधन की मजबूत पकड़ रही है। वहीं कोसी मिथिलांचल और सीमांचल में अल्पसंख्यक वोट निर्णायक भूमिका निभाते हैं। मुकेश सहनी का प्रभाव उत्तर बिहार के नदी तटीय मल्लाह और निषाद समुदायों में गहराई तक है। गहलोत की नई रणनीति इन भौगोलिक और जातीय क्षेत्रों को जोड़ने का एक राजनीतिक मानचित्र तैयार करती है - जो बिहार की क्षेत्रीय असमानता और ग्रामीण असंतोष को भी संबोधित करता है। बदलती राजनीति का संकेत - अशोक गहलोत का यह कदम केवल चुनावी घोषणा नहीं, बल्कि कांग्रेस के राष्ट्र स्तर पर गठबंधन पुनर्गठन का संकेत भी है। जहाँ उत्तर प्रदेश में कांग्रेस ने समय से दूरी बनाकर अकेले चलने की राह पकड़ी, वहीं बिहार में उसने गठबंधन की ताकत को समझते हुए यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाया है। तेजस्वी को युवा नेतृत्व के रूप में पेश कर कांग्रेस ने बिहार की राजनीति को नया विमर्श दिया है - अब यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक सोच के पुनर्जागरण की लड़ाई बन गया है।

प्रथम महिला स्वतंत्रता सेनानी अभय रानी अब्बक्का चौटा

-हेमेन्द्र क्षीरसागर

कर्नाटक के उल्लाल में 1525 को जन्मी रानी अब्बक्का चौटा 16 वीं शताब्दी में उल्लाल की एक तुलुवा रानी थी, जिन्होंने पुर्तगालियों के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी और उन्हें भारत की प्रथम महिला स्वतंत्रता सेनानी और एक जैन महिला बलिदानी भी कहा जाता है। अपनी वीरता के कारण उन्हें अभय रानी भी कहा जाता था, और उन्होंने चार दशकों से अधिक समय तक पुर्तगालियों के हमलों को विफल किया। वह चौटा राजवंश से थी और उनके रणनीतिक कौशल और अभियान के उपयोग के लिए जानी जाती हैं। उल्लेखनीय चौटा राजवंश जैन बंट मूल का एक जैन राजवंश था। जिसने 12 वीं - 18 वीं शताब्दी के दौरान तुलुनाडु क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर शासन किया था। साल था 1555 जब पुर्तगाली सेना कालीकट, बीजापुर, दमन, मुंबई जीतते हुए गोवा को अपना हेडक्वार्टर बना चुकी थी। टक्कर में कोई न पाकर उन्होंने पुराने कपिलेश्वर मंदिर को ध्वस्त कर उसपर चर्च स्थापित कर डाली। मंगलौर का व्यवसायिक बंदरगाह अब उनका अगला निशाना था। उनकी बदकिस्मती थी कि वहाँ से सिर्फ 14 किलोमीटर पर उल्लाल राज्य था जहाँ की शासक थी 30 साल की रानी अब्बक्का चौटा। पुर्तगालियों ने रानी को हल्के में लेते हुए केवल कुछ सैनिक उसे पकड़ने भेजा। लेकिन उनमें से कोई वापस नहीं लौटा। क्रोधित पुर्तगालियों ने अब एडमिरल डॉम अल्वेरो डा-सिल्वेरा के नेतृत्व में एक बड़ी सेना भेजी। शीघ्र ही उसको एडमिरल खाली हाथ वापस आ गया। इसके बाद पुर्तगालियों की तीसरी कोशिश भी बेकार साबित हुई। चौथी बार में पुर्तगाल सेना ने मंगलौर बंदरगाह जीत लिया। सोचा था कि वहाँ से रानी का किला जीतना आसान होगा, और फिर उन्होंने यही किया। जनरल जोआओ पेक्सीटो बड़ी सेना के साथ उल्लाल जीतकर रानी को पकड़ने निकला। लेकिन यह क्या? किला खाली था और रानी का कहीं अता-पता भी न था। पुर्तगाली सेना खुशीखुशी से बिना लड़े किला कब्जा समझ बैठी। वे जश्न में डूबे थे कि रानी अब्बक्का अपने चुनिंदा 200 जवान के साथ उनपर भूखे शेरों की भांति टूट पड़ी। बिना लड़े जनरल व अधिकतर पुर्तगाली मारे गए। बाकी ने आत्मसमर्पण कर दिया। उसी रात रानी अब्बक्का ने मंगलौर पोर्ट पर हमला कर दिया जिसमें उसने पुर्तगाली चीफ को मारकर पोर्ट को मुक्त करा लिया। रानी अब्बक्का के देशद्रोही पति ने पुर्तगालियों से धन लेकर उन्हें पकड़वा दिया और जेल में रानी विद्रोह के दौरान 1570 में मारी गई। इस वीर रानी अब्बक्का चौटा के बारे में पहले कभी बहुत से लोगों ने सुना या पढ़ा होगा? जो चार दशकों तक विदेशी आततायियों से वीरता के साथ लड़ती रही हमारी पाठ्यपुस्तकों चुप हैं? अगर यही रानी अब्बक्का योरोप या अमेरिका में पैदा हुई होती तो उस पर पूरी की पूरी किताबें लिखी गई होती। वीरता की भुलाने की वजह से हमें हमारे गौरवपूर्ण इतिहास से जानबूझ कर वंचित रखा गया है। हमारी 1000 साल की दासता अपने ही देशवासियों के विश्वासघात का नतीजा है। प्रेरणास्पद रानी अब्बक्का की याद में हर साल उल्लाल में वीरा रानी अब्बक्काका उत्सव का त्योहार मनाया जाता है। जिसके दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान के लिए वीर, प्रतिष्ठित महिलाओं को वीरा रानी अब्बक्का पुरस्कार और प्रशस्ति दिया जाता है।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन स्वभाव में उत्साहित होगा। कार्यक्षेत्र में भी आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं।	**तुला** आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं। आय के नये स्रोत बनेंगे।
वृषभ परिवार के लोगों के साथ सुखद बीतेगा। आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।	**वृश्चिक** पक्ष मजबूत रहने वाला है। धन, सम्मान, यश, कीर्ति की वृद्धि होने के योग दिख रहे हैं।
मिथुन उच्चाधिकारियों की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति की प्राप्ति होती दिख रही है।	**धनु** जरूरी वस्तुओं पर धन का खर्च हो सकता है। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।
कर्क राशि स्वामी की उत्तम स्थिति बृहस्पति का द्वादश होकर भाग्यमय आपके लिए शुभ रहने वाला है।	**मकर** लाभ होने का योग होगा। मकर राशि वालों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती दिख रही है।
सिंह क्षेत्र में शोध से अधिक सफलता मिलेगी। आपको कोई बड़ा पद या जिम्मेदारी मिल सकती है।	**कुंभ** आज पत्नी को अकस्मात शरीर कष्ट हो सकता है। इसके कारण भागदौड़ करनी पड़ेगी।
कन्या समाज से आपको लाभ होगा। घर-परिवार में किसी मंगल कार्यों के आयोजन से आपको खुशी होगी।	**मीन** आज वैवाहिक जीवन आनन्ददायक बीतेगा। आज पास या दूर की यात्रा भी करनी पड़ सकती है।

विशेष

जंगल राज मोदी प्रचार की मुख्य थीम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों बिहार में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। शुक्रवार को वह बेगूसराय और समस्तीपुर पहुंचे। वहां पर उन्होंने जनसभा में 30 बार और 17 बार जंगल राज का उल्लेख किया। कर्पूरी ठाकुर को उन्होंने समस्तीपुर में श्रद्धांजलि दी। यह अलग बात है कि 1978 में कर्पूरी ठाकुर की सरकार गिराने वाले जनसंघ के लोग थे। जो अब भाजपा में हैं। इस बार के चुनाव प्रचार में बिसात इंडिया गठबंधन बिछा रहा है। इस बिसात पर एनडीए गठबंधन को चलना पड़ रहा है। जिससे चुनाव बड़ा रोचक हो गया है।

जेके की 3 राज्य सभा सीटें नेशनल कांफ्रेंस ने जीती

जम्मू कश्मीर में राज्यसभा की चार सीटों के लिए मतदान हुआ। इनमें से तीन सीट नेशनल कांफ्रेंस ने जीत ली। एक सीट भाजपा को मिली है। भाजपा के पक्ष में क्रॉस वोटिंग हुई है। जिसके कारण एक सीट भाजपा के खाते में गई है। भाजपा के पक्ष में हुई क्रॉस वोटिंग के कारण भाजपा उम्मीदवार सत शर्मा चुनाव जीत गए हैं। जम्मू कश्मीर में 90 सीट हैं। इनमें से दो सीट खाली हैं। 88 विधायकों को मतदान करना था। केवल 86 विधायकों ने मतदान किया। कुल मिलाकर भाजपा ने जोड़-तोड़ करके एक सीट जीत ली।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1499: तुर्की और वेनिस में युद्ध भड़का। 1535: इंग्लैंड में सर थामस पर राजद्रोह का मुकदमा शुरू हुआ। 1781: हैदर अली और अंग्रेजों के बीच पोर्टो नोवो की लड़ाई हुई। 1810: नेपोलियन बोनापार्ट के दबाव में हालैंड नरेश लुई ने गद्दी छोड़ी। 1811: तुर्की के बेड़े ने सिकंदरिया में मिस्र के मेहमत अली के आगे समर्पण किया। 1862: कोलकाता उच्च न्यायालय का उद्घाटन हुआ। 1882: डॉ. विधानचंद्र राय का जन्म हुआ। 1909: क्रांतिकारी मदनलाल ढींगरा ने लंदन में विलियम विली और डॉ. लाल काका को गोली मार दी। 1910: दक्षिण अफ्रीका संघ ब्रिटिश साम्राज्य का अंग बना। 1926: दक्षिण अफ्रीका सीमा पर विवाद इटली पुर्तगाली समझौता हुआ। 1931: फीलिया में चीन विरोधी दंगे भड़के। 1941: प्रसिद्ध पत्रकार श्री गणेश शंकर विद्यार्थी का निधन हुआ।

दैनिक पंचांग

27 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारम्भ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.38 से
चंद्र	धनु में	धनु	09.54 बजे से
मंगल	तुला में	मकर	11.58 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.46 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.10 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	16.34 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.29 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.27 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.41 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		सिंह	02.57 बजे से
		कन्या	03.09 बजे से
		तुला	05.22 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 300 वां दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास कार्तिक पक्ष शुक्ल
तिथि पंचमी 06.09 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 13.28 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 07.27 बजे को समाप्त।
करण बालव 06.05 बजे तदनन्तर कौलव 19.06 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 25.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 12' 48''
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872570
जूलियन दिन 2460975.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उलअव्वल
तारीख 04
विशेष स्कन्द षष्ठी, सूर्य अराधना।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
अमृत	05.53 से	07.22	बजे तक	चर	35.43 से	27.14	बजे तक
काल	07.22 से	08.50	बजे तक	रोग	27.54 से	28.45	बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19	बजे तक	काल	28.45 से	10.17	बजे तक
रोग	12.19 से	11.48	बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48	बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17	बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19	बजे तक
चर	01.17 से	02.45	बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51	बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14	बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2	बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43	बजे तक	चर	04.22 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभफल क्षेत्र शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय को लेकर दिया गया है। अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। e.Jagrukbhat.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

रांची में 4 माह वेतन वृद्धि रोकी, शिक्षकों में फैला आक्रोश

रांची, एजेंसी। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने रांची जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) पर आरोप लगाते हुए कहा कि जुलाई से 3000 शिक्षकों की वार्षिक वेतन वृद्धि रोके दिया गया था। शिक्षकों का कम वेतन में काम करना पड़ा, जिससे उनके परिवारों पर सीधा आर्थिक असर पड़ा। संघ के मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने बताया कि हिंदी टंकण परीक्षा को अनिवार्य बताते हुए आधार बनाकर [illegible] की मांग की गई, जबकि प्रदेश के किसी अन्य जिले में यह प्रावधान लागू नहीं हुआ था। डीएसई के इस निर्णय के विरोध में संघ ने प्रदर्शन किया जिसमें शिक्षकों ने काला बिल्ला लगाकर पठन-पाठन किया और आदेश की प्रति जलाई। प्राथमिक शिक्षा निदेशक के आवास स्थल पर प्रस्तावित धरना स्थगित किया गया था। संघ ने कहा कि कार्मिक विभाग ने 6 अक्टूबर को ही स्पष्ट आदेश जारी कर दिया था कि प्राथमिक शिक्षक पर टंकण परीक्षा लागू नहीं होगा। इसके बावजूद दीपावली और छठ के दौरान भी वृद्धि जारी नहीं की गई।

आयुष्मान भारत योजना के तहत छह विशेषज्ञ चिकित्सकों की हुई नियुक्ति

जमशेदपुर, एजेंसी। खासमहल स्थित सदर अस्पताल में इलाज कराने आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हो, इसको ध्यान में रखते हुए अस्पताल में कई प्रकार की नयी सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही है. इसी क्रम में अस्पताल प्रबंधन के द्वारा आयुष्मान भारत योजना के तहत छह डॉक्टरों की नियुक्ति की गयी है. जिसमें हृदय रोग, मधुमेह, टीबी एवं चेस्ट, स्त्री एवं प्रसूति रोग और एनेस्थीसिया विभाग के डॉक्टर शामिल हैं. इन सभी विशेषज्ञों ने ओपीडी में अपनी सेवा देनी शुरू कर दी है. इसको लेकर सिविल सर्जन डॉक्टर साहिर पाल ने बताया कि अब मरीजों को हृदय, किडनी, मधुमेह या स्त्री रोग जैसी गंभीर बीमारियों के लिए निजी अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे. एक ही छत के नीचे सभी विशेषज्ञों की सुविधा मिलेगी. एनेस्थीसिया में डॉक्टर अमित तिवारी और डॉ. के रहमान की नियुक्ति की गयी है. इनकी सेवा आवश्यकता अनुसार ली जायेगी. उन्होंने कहा कि अस्पताल में जल्द ही यूरोलॉजिस्ट, नेफ्रोलॉजिस्ट और रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति भी की जायेगी. इनके चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण पर है. वहीं शुक्रवार को सिविल सर्जन ने जिला सर्विलांस विभाग, पैथोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजिस्टों की लैब से संबंधित सभी जरूरी उपकरण और मशीनें जल्द से जल्द खरीदने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि इसे प्राथमिकता में रखा गया है, ताकि 24 घंटे लैब सेवा शुरू की जा सके.

संताल लिबरेशन आर्मी प्रमुख रोहित मुर्मू मुठभेड़ में ढेर, असम पुलिस ने किया एनकाउंटर

बरहेट (साहिबगंज), एजेंसी। संताल लिबरेशन आर्मी के प्रमुख रोहित मुर्मू उर्फ पंपिन मुर्मू को असम पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया है। उसके खिलाफ साहिबगंज व गोड्डा जिले के विभिन्न थानों में आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज थे। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। मुठभेड़ में उसके मारे जाने से पुलिस ने राहत की सांस ली है। बताया जाता है कि असम के कोकराझार जिले के [illegible] थाना क्षेत्र के [illegible] में पुलिस के साथ मुठभेड़ में वह मारा गया। वह मूल रूप से असम के कोकराझार जिले के [illegible] का रहनेवाला था। वह पहले उग्रवादी संगठन नेशनल संताल मुक्ति सेना का सदस्य था। बाद में संगठन के सदस्यों ने आत्मसमर्पण कर दिया और वह भागकर साहिबगंज आ गया। यहां उसने संताल लिबरेशन आर्मी का गठन किया और आपराधिक घटनाओं को अंजाम देना शुरू किया। जून 2020 में [illegible] के रहनेवाले [illegible] का अपहरण संताल लिबरेशन आर्मी के सदस्यों ने कर लिया था। उसकी खोज में पुलिस जगह-जगह छापेमारी कर रही थी। इसी क्रम में बरहेट के [illegible] में पुलिस व संताल लिबरेशन आर्मी के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें बरहेट थाना के सहायक अवर निरीक्षक [illegible] को गोली लग गई। बाद में इलाज के दौरान उनका बलिदान हो गया। उधर, मुठभेड़ के बाद अपने को पुलिस से घिरते देखकर संताल लिबरेशन आर्मी ने [illegible] की गोली मारकर हत्या कर दी। इन दोनों मामलों में वह आरोपित था। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। इसी बीच रोहित मुर्मू अपने कुछ साथियों के साथ [illegible] फरवरी 2022 को [illegible] पहुंचा था। इस दौरान ग्रामीणों ने सभी को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी बाद में पुलिस को सौंप दिया। उसकी पहचान रोहित मुर्मू के रूप में हुई। लेकिन बाद में वह जमानत पर छूट गया और पुनः आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने लगा। [illegible] अक्टूबर 2024 को बरहेट थाना क्षेत्र के [illegible] के पास [illegible] में फरक्का जाने वाली [illegible] रेल लाइन को विस्फोटक लगाकर उड़ा दिया। इस मामले में भी पुलिस उसे खोज रही थी। 23 अक्टूबर को पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफ रेलवे) के अलीपुरद्वार डिवीजन में [illegible] और कोकराझार स्टेशनों के बीच रेलवे ट्रैक पर विस्फोट हुआ।

पांच जिलों में तोड़े जाएंगे आवास बोर्ड के 5200 फ्लैट, आठ मंजिल वाले भवनों का होगा निर्माण

रांची, एजेंसी। रांची सहित जमशेदपुर, धनबाद, हजारीबाग और पलामू जिले में आवास बोर्ड के करीब 5200 फ्लैट तोड़े जाएंगे। इन फ्लैट को ध्वस्त करने के बाद इनकी जगह आठ मंजिला भवन बनाए जाएंगे। यह जानकारी आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने विशेष बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि आठ मंजिला भवन की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) शीघ्र तैयार करने के लिए इंजीनियरों को निर्देश दिया जा चुका है। छठ पूजा के बाद इसपर तेजी से काम शुरू कर दिया जाएगा। मालूम हो कि रांची शहर के [illegible], हरमू और अरगोड़ा स्थित हाउसिंग बोर्ड की कई बिल्डिंग जर्जर अवस्था में है। इन जर्जर भवनों में लोग वैध और अवैध तरीके से रह रहे हैं।

नए सिरे से डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने के लिए हैं निर्देश: हाउसिंग बोर्ड के भवनों को तोड़कर रांची शहर की तीनों साइट पर आठ मंजिले भवनों का निर्माण किया जाएगा।

कुछ माह पूर्व ही इंजीनियर ने बोर्ड को तीन मंजिला भवन का डीपीआर समर्पित किया था, लेकिन बोर्ड अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने इस डीपीआर को खारिज करते हुए आठ मंजिला भवन निर्माण का डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया है ताकि कम जगह पर अधिक से अधिक निर्माण कार्य कर लोगों को सही तरीके से बसाया जा सके।

यही नहीं, पुरानी विधानसभा के पास बोर्ड की खाली पांच एकड़ जमीन को भी प्लाटिंग कर ली गई है। यहां भी निर्माण कार्य के साथ-साथ प्लाट बेचने की योजना है। इन प्रक्रियाओं में छठ पूजा के बाद गति लाई जाएगी।

तीनों साइट हरिहरपुर(?) में एक, हरमू में दो और अरगोड़ा स्थित एक साइट को डेवलप करने के साथ-साथ पुरानी विधानसभा के पास भी साइट को डेवलप किया जाएगा। साथ ही अतिक्रमणकारियों को हटाने और नई पॉलिसी तैयार करने की भी योजना है। सारी प्रक्रिया इस वर्ष के अंत तक पूरी कर ली जाएगी। बता दें कि पिछले कुछ माह से बोर्ड, स्टेकहोल्डर और [illegible] के साथ कुछ कमेटी की बैठक लंबित है। आवास बोर्ड सचिव ने बताया कि नए सिरे से तैयार की जा रही डीपीआर में इस बात का विशेष ध्यान रखा जा रहा है कि रांची जिले की विभिन्न साइट को विकसित कर इसे पूरे राज्य में एक मॉडल के तौर पर प्रदर्शित किया जाएगा।

वर्तमान में हरिहरपुर(?) स्थित [illegible] बिल्डिंग की स्थिति अत्यधिक खराब हो चुकी है। इस बिल्डिंग में रहने वाले अधिकतर लोग अवैध तरीके से निवास कर रहे हैं। हाउसिंग बोर्ड की ओर से बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। कुछ कमेटी की बैठक में इसके बारे में निर्णय लिया जाएगा।

-शहर की तरह तीनों साइट के भवन अब रहने लायक नहीं रह गए हैं। ऐसे में हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो, इसको ध्यान में रखकर फ्लैट खाली कराए जाने का निर्देश दिए गए हैं। इन जर्जर भवनों को तोड़कर नए सिरे से बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा।

-कई बिल्डिंग में अवैध रूप से लोग रह रहे हैं। नोटिस देने के बाद भी जो लोग भवन खाली नहीं करेंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी। कई जगहों पर तो जर्जर हो चुके फ्लैट और बिल्डिंग को तोड़ने की दिशा में प्रक्रिया शुरू भी कर दी गई है। रांची सहित जमशेदपुर, धनबाद, हजारीबाग और पलामू जिलों में स्थित करीब 5200 फ्लैट तोड़े जाएंगे।

-कुछ दिनों पूर्व तीन मंजिला भवन निर्माण की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) दी गई थी। उक्त रिपोर्ट को निरस्त कर दिया गया है। अब आठ मंजिला भवन निर्माण के लिए नए सिरे से डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

बारीडीह के छठ घाटों पर विसर्जन सामग्री बनी चुनौती, सुबह साफ, शाम को गंदगी

जमशेदपुर, एजेंसी। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर बारीडीह क्षेत्र के सभी प्रमुख छठ घाटों को तैयार करने का काम अंतिम चरण में है। नगर निकायों और स्थानीय पूजा समितियों के सहयोग से घाटों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, लेकिन विसर्जन सामग्री अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी है, जिसे हटाने में सफाई कर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। पिछले एक सप्ताह से बारीडीह के छठ घाट की साफ-सफाई का काम चल रहा है। सफाई कर्मी सुबह घाटों को स्वच्छ कर रहे हैं, शाम होते-होते स्थिति फिर वैसी की वैसी हो जा रही है, क्योंकि लोग पूजन सामग्री को सीधे नदी तट पर ही फेंक रहे हैं। शुक्रवार को बारीडीह के छठ घाट पर कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। नगर निकाय और पूजा समिति के लोगों ने आमजनों से सहयोग की अपील की है। उन लोगों का कहना है कि आम जनता के सहयोग से ही नदी तट को साफ-सुथरा रखा जा सकता है।

बारीडीह स्थित भोजपुरी छठ घाट पर सफाई का कार्य जारी है, लेकिन अभी भी लोग नदी किनारे विसर्जन सामग्री फेंक रहे हैं, जिसे सफाईकर्मी एकत्र कर रहे हैं। घाट पर पानी काफी गहरा है, जिसको लेकर यहां दो [illegible] और गोताखोरों की तैनाती की जायेगी। पहले से यहां हाई मास्ट लाइट लगी हुई है। इसके अलावा घाट तक आने वाले मार्ग पर स्थानीय कमेटी के सहयोग से लाइटिंग की व्यवस्था की जायेगी। विभिन्न कमेटियों की ओर से पूरे क्षेत्र को भव्य तरीके से सजाने की तैयारी है। निर्मल पथ छठ घाट की साफ-सफाई की जिम्मेदारी जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) के जिम्मे है। यहां भी विभिन्न पूजा समितियों की ओर से विसर्जन सामग्री छोड़ दी गयी है, जिसे हटाया जा रहा है।

बीसीसीएल - सात एरिया के जीएम सहित 11 अधिकारियों का तबादला

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल में माइनिंग संवर्ग से जुड़े 11 वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। आदेश के अनुसार सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नये स्थान पर पदभार ग्रहण करने का निर्देश दिया गया है। बीसीसीएल प्रबंधन की ओर से शुक्रवार को जारी कार्यालय आदेश में बताया गया है कि यह तबादला माइनिंग डिसिप्लिन के अधिकारियों का है। इनमें से 10 अधिकारी जनरल मैनेजर (जीएम) स्तर के हैं, जबकि एक अधिकारी चीफ मैनेजर (माइनिंग) पद पर कार्यरत हैं। अधिसूचना के मुताबिक बरोरा एरिया के जीएम [illegible] को गोविंदपुर एरिया, गोविंदपुर एरिया के जीएम [illegible] को बरोरा एरिया जीएम की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। इसी तरह लोदना एरिया के जीएम [illegible] का तबादला करते हुए उन्हें कुसुंडा एरिया का जीएम बनाया गया है। कुसुंडा एरिया के जीएम [illegible] का तबादला करते हुए उन्हें [illegible] एरिया जीएम की जिम्मेदारी दी गयी है। जबकि [illegible] एरिया के जीएम [illegible] को लोदना एरिया का जीएम बनाया गया है। [illegible] एरिया के [illegible] जीएम [illegible] को इसी एरिया [illegible] की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। वहीं [illegible] एरिया के एरिया जीएम का पदभार 31 अक्टूबर से ग्रहण करेंगे। वे इससे पहले मुख्यालय स्थित [illegible] के जीएम के रूप में कार्यरत थे। [illegible] एरिया के जीएम [illegible] को जीएम (क्वालिटी, मुख्यालय), [illegible] प्रसाद जीएम (क्वालिटी, मुख्यालय) को [illegible] एरिया का जीएम बनाया गया है।

वित्त मंत्री ने झारखंड में महागठबंधन में दरार को नकारा, राजद ने कहा- झामुमो के हर फैसले का स्वागत

रांची, एजेंसी। बिहार में आज गुरुवार को महागठबंधन की ओर से तेजस्वी यादव को सीएम और मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम फेस घोषित कर दिया गया है। लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में झारखंड मुक्ति मोर्चा के अलग हो जाने और उसके बाद सीएम हेमंत सोरेन के बेहद करीबी मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू द्वारा दिये जा रहे बयानों पर गठबंधन के अंदर की राजनीतिक कयासें का दौर जारी है।

इस बीच कांग्रेस विधायक दल नेता सह वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने झारखंड महागठबंधन में ऑल इज वेल की बात कही। मंत्री ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक परिपक्व राजनेता हैं। वहीं झामुमो भी परिपक्व राजनीतिक दल है, ऐसे में वह कोई भी अपरिपक्व फैसला नहीं करेंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि जब कोई दल या व्यक्ति की महत्वाकांक्षा होती है और वह पूरा नहीं होता है तो अपने नेताओं-कार्यकर्ताओं के लिए इस तरह की बातें करनी पड़ती है। हमारा गठबंधन (जिसमें राजद, कांग्रेस और झामुमो शामिल है) में कोई दरार नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव का परिणाम आते ही सब ठीक हो जाएगा। क्या गठबंधन के अंदर राज्य में महागठबंधन के सफाया को लेकर कोई उथल-पुथल चल रहा है इस सवाल के जवाब में मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि राज्य में हमारा गठबंधन लालू यादव, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और हेमंत सोरेन के बीच है और इन नेताओं के बीच कोई मतभेद या दरार नहीं है। एक ओर जहां राज्य के वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता राधाकृष्ण किशोर झारखंड में महागठबंधन में सबकुछ ठीक बता रहे हैं तो दूसरी ओर राजद को प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल यादव ने मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के बयान को निराशाजनक करार दिया है। राजद नेता ने कहा कि 2024 विधानसभा चुनाव में हमारी तैयारी भी 22 सीट की थी। लेकिन राज्य में सिर्फ़ गठबंधन नुकसान न हो जाये इसलिए महज 07 सीट पर हमारे नेता मान गए। राजद के कोई भी नेता या कार्यकर्ता ने भाषायी मर्यादा नहीं तोड़ी लेकिन गठबंधन के साथी जिस भाषा या लहजा में मंत्री बयानबाजी कर रहे हैं वह निराशाजनक है। राजद को प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि झामुमो राज्य में महागठबंधन की समीक्षा की बात करता है तो राजद भी उसका स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि राजद, झामुमो और हेमंत सोरेन के हर फैसले का स्वागत करेगा लेकिन गठबंधन में रहकर इस तरह के भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बता दें कि बिहार में महागठबंधन में जगह नहीं मिलने से खुद को बिहार चुनाव से अलग हो जाने का निर्णय लेते हुए गिरिडीह से झामुमो विधायक और मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने राजद और कांग्रेस पर राजनीतिक धूर्तता और चालबाजी जैसे शब्दों का उपयोग किया था।

लौहनगरी में अर्धनारीश्वर और मां भगवती का भव्य मंदिर बने

जमशेदपुर, एजेंसी। शहर में पहली बार किन्नर अखाड़ा द्वारा भव्य धर्म सम्मेलन का आयोजन किया गया। बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में आयोजित यह सम्मेलन आध्यात्म, समरसता और समानता का संदेश लेकर सामने आया। शहर में पहली बार किन्नर अखाड़ा द्वारा भव्य धर्म सम्मेलन का आयोजन किया गया। बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में आयोजित यह सम्मेलन आध्यात्म, समरसता और समानता का संदेश लेकर सामने आया। कार्यक्रम में किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत से पूर्व महामंडलेश्वर ने बिष्टुपुर राम मंदिर में पूजा-अर्चना की और देश-राज्य की सुख-शांति की कामना की। इसके बाद शोभायात्रा निकाली गयी, जो शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए माइकल जॉन सभागार तक पहुंची। उत्थान संस्था द्वारा आयोजित इस धर्म सम्मेलन की अध्यक्षता महामंडलेश्वर [illegible] ने की। अपने संबोधन में डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि झारखंड और विशेषकर जमशेदपुर में अर्धनारीश्वर और मां भगवती का एक भव्य मंदिर तथा किन्नर समाज के लिए एक आश्रम की स्थापना होनी चाहिए, जिससे किन्नरों को आध्यात्मिक पहचान और सम्मानजनक स्थान मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम ने भी वनवास में तृतीय लिंग समुदाय को वरदान दिया था, जिससे उनकी पूजा विशेष थी। परंतु आज भी इस समाज को भेदभाव और उपेक्षा झेलनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म समावेश और समानता का संदेश देता है तथा इसी भावना को समाज के युवाओं तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। जमशेदपुर की महामंडलेश्वर [illegible], जो टाटा स्टील में कार्यरत हैं, धर्म और सेवा कार्यों के माध्यम से किन्नर समाज को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर रही हैं।

उत्पाद सिपाही भर्ती में 12 युवाओं ने जान गंवाई, एक साल बाद भी उसकी लिखित परीक्षा नहीं

रांची, एजेंसी। झारखंड में पिछले साल उत्पाद सिपाही की भर्ती शुरू हुई थी। इसकी शारीरिक परीक्षा में 12 अभ्यर्थियों की जान चली गई थी। एक साल बाद भी उस नियुक्ति के लिए लिखित परीक्षा नहीं हुई है। यह केवल एक उदाहरण है। पिछले एक दशक में 13 हजार से अधिक पदों पर नियुक्ति के लिए वैकेंसी निकली। लेकिन कभी नियोजन नीति रद्द होने के कारण तो कभी प्रश्न पत्र लीक होने के चलते परीक्षा रद्द करनी पड़ी।

तकनीकी विशिष्ट स्नातक नियुक्ति परीक्षा के अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर पहुंचने के बाद जानकारी मिली कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने तकनीकी अपरिहार्य कारण बताते हुए परीक्षा रद्द कर दी है। नया शेड्यूल जल्दी ही जारी होगा। लेकिन आज तक शेड्यूल जारी नहीं हुआ। इसी तरह महिला पर्यवेक्षिका नियुक्ति परीक्षा के बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन का काम पूरा कर लिया गया है। लेकिन फाइनल रिजल्ट अभी तक घोषित नहीं किया गया है। इससे इस परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी निराश हैं। राज्य में दर्जन भर वैकेंसी के रिक्त पदों नियुक्ति लिए पिछले एक दशक से प्रक्रिया चल रही है। लेकिन इसमें से कई विज्ञापनों की नियुक्ति अभी तक पूरी नहीं हो सकी है। इस कारण उत्पाद सिपाही समेत, तकनीकी स्नातक सहित अन्य वैकेंसी की 13 हजार नियुक्तियां अटकी हैं।

तकनीकी विशिष्ट स्नातक नियुक्ति परीक्षा... 493 पदों पर नियुक्ति के लिए प्रक्रिया पिछले कई वर्षों से चल रही है। पहली बार विज्ञापन रद्द होने के बाद दूसरी बार दो साल पहले 2023 में वैकेंसी जारी कर आवेदन मांगे गए थे। इसके लिए इसी माह 9 से 16 अक्टूबर तक परीक्षा आयोजित की जानी थी। सेंटर पर अभ्यर्थी पहुंच गए थे। इधर जेएसएससी ने परीक्षा तकनीकी और अपरिहार्य कारण से परीक्षा स्थगित करने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार मॉक परीक्षण के दौरान परीक्षा एजेंसी की सर्वर क्रैश होने के कारण इसे रद्द कर दिया गया है।

छठ पर कांके रोड की एक लेन और बहरी रोड में वाहनों की नो इंट्री, मार्गों पर चलेंगे सिर्फ व्रती

रांची, एजेंसी। छठ पर्व को लेकर सोमवार से अगले 2 दिनों तक शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। कांके रोड में राम मंदिर से चांदनी चौक तक एक लेन को फ्री रखा गया है। यहां रास्तों के सहारे रास्ते को दो भागों में बांटा गया है। एक भाग सिर्फ छठ व्रती को चलने के लिए सुरक्षित रखा गया है। वहीं [illegible] रोड में भी वाहनों की इंट्री पर रोक लगा दी गई है।

मेन रोड की ओर से परिचालन करने वाले वाहन सवार को [illegible] चौक से तालाब की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा [illegible] रोड में परिचालन करने वाले वाहन सवार को [illegible] मोड़ से बड़ा तालाब की ओर आने-जाने की अनुमति नहीं होगी। इस मार्ग को सिर्फ छठ व्रती के लिए सुरक्षित रखा गया है। इससे संबंधित आदेश ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने जारी कर दिया है।

छठ पर्व में घाट तक पहुंचने वाले व्रतियों को किसी प्रकार परेशानी ना हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया है। यही वजह है कि सोमवार की सुबह 8 बजे से लेकर रात 11 बजे तक और मंगलवार को अहले सुबह 2 बजे से 10 बजे तक शहर में मालवाहक वाहनों का प्रवेश वर्जित किया गया है। यह मालवाहक वाहन रिंग रोड होकर अपने गंतव्य तक परिचालन कर सकेंगे। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस के जवान इनपर नजर रखेंगे। ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने कहा है कि बड़ा तालाब के अलावा अन्य सभी तालाब तक पहुंचने वाले छठ व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बड़ा तालाब के चारों तरफ [illegible] रोड में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। [illegible] रोड में वाहनों की इंट्री पर रोक लगा दी गई है। ऐसे में किसी भी हाल में तालाब तक वाहन को नहीं ले जाया जा सकता है।

कमीशन में मिली राशि से 44 करोड़ रुपए की संपत्ति बनाई, केस चलाने की अनुमति दें : ईडी

रांची, एजेंसी। टेंडर कमीशन घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तत्कालीन मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव संजीव लाल की पत्नी रीता लाल सहित आठ आरोपियों के खिलाफ चौथा पूरक आरोप पत्र दाखिल किया। इनमें ठेकेदार राजेश कुमार, उनकी कंपनी मेसर्स राजेश कुमार कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. व मेसर्स परमानंद सिंह बिल्डर्स प्रा. लि., ठेकेदार राधा मोहन साहू, अंकित साहू, ग्रामीण कार्य विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार राम के सहयोगी [illegible] और ठेकेदार राजीव कुमार सिंह शामिल हैं।

रांची स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत में 22 अक्टूबर को दाखिल इस आरोप पत्र में कहा गया है कि आरोपियों ने टेंडर आवंटन में कमीशन की राशि से 44 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति अर्जित की। जांच एजेंसी ने उक्त संपत्ति को अपराध रूप से जब्त किया है। ईडी ने कोर्ट से इन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने और अपराध की आय से अर्जित संपत्तियों को जब्त करने का अनुरोध किया है। इस आठ आरोपियों के साथ अब इस मामले में कुल 22 आरोपी हो गए हैं।

संबंध के मामला में दिल्ली भेजे गए थे कमीशन के रुपए, यहां खरीदी गई संपत्ति

इस मामले में ईडी ने छापेमारी में कुल 37 करोड़ रुपए [illegible]

जब्त किए थे। इनमें 32.20 करोड़ रुपए पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के सहयोगी जहांगीर आलम के हरमू रोड स्थित फ्लैट से जुड़े थे। ईडी की जांच में पता चला है कि कमीशन की अधिकतर राशि हवाला के जरिए दिल्ली भेजी गई थी, यहां चार्टर्ड अकाउंटेंट व अन्य व्यक्तियों के नेटवर्क के माध्यम से उसे सफेद किया गया। फिर उस राशि से अचल संपत्तियां खरीदी गई।

ईडी ने जमशेदपुर में दर्ज केस के आधार पर ईडी ने ईसीआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। एसीबी ने एक जूनियर इंजीनियर सुरेश प्रसाद वर्मा को 10 हजार रुपए घूस लेते गिरफ्तार किया था। इसके बाद तलाशी में एसीबी को विभाग के तत्कालीन मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार राम से जुड़े परिसरों से 2.67 करोड़ रुपए कैश मिले थे। पूर्व में दाखिल तीन आरोप पत्रों में ईडी ने ग्रामीण विकास विभाग में बड़े भ्रष्टाचार की जानकारी कोर्ट को दी है। तत्कालीन मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार राम के कमीशन वसूली का ब्यौरा दिया था। ईडी ने जांच में तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम की भूमिका का भी खुलासा किया था और बताया था कि उन्हें टेंडर आवंटन में एक निश्चित राशि कमीशन में मिलती थी। मंत्री के लिए कमीशन उनके निजी सचिव संजीव कुमार लाल वसूलते थे।

जांच एजेंसी ने कोर्ट को बताया कि तत्कालीन मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम को ठेकेदार राजेश कुमार ने अपनी कंपनी राजेश कुमार कंस्ट्रक्शन और परमानंद सिंह बिल्डर्स के साथ मिलकर कमीशन के रूप में 1.88 करोड़ रुपए कैश दिए थे। इसके अलावा टोयोटा इनोवा और टोयोटा फॉर्च्यूनर भी दी थी। वहीं अन्य ठेकेदार राधा मोहन साहू ने 39 लाख रुपए कैश दिए थे। राधा मोहन ने अपने बेटे अंकित साहू के नाम पर [illegible] फॉर्च्यूनर भी गिफ्ट की थी। ईडी ने छापेमारी में इन तीनों गाड़ियों को वीरेंद्र के ठिकानों से जब्त किया था। कोर्ट ने करीब एक दर्जन प्रबंधन करने वाले अधिकारियों के सहयोगियों को भी जानकारी दी है। बताया है कि वीरेंद्र राम के सहयोगी [illegible] के जरिए 4.40 लाख रुपए जमा हुए थे। अधिकारियों के एक अन्य सहयोगी ठेकेदार राजीव के नाम जमीन में 2.13 करोड़ रु. कैश दिये थे।

आलू में रोग अनेक उपाय एक

पत्तियों व तने में आने वाले रोग

विषाणु रोग- हरी पत्तियों पर हल्के हरे अथवा हल्के पीले धब्बे या फफोले से होना (कबरापन या मोजाइक) पत्तियां छोटी, भंगूर, किनारे लहरदार, मुड़े से (लीफरोल) अथवा पौधों की ऊपरी भाग की पत्तियों का गुच्छा सा बन जाना, उसमें मोजाइक दिखाई देना है।

नियंत्रण

बीज किसी प्रमाणित संस्था अथवा उन्नत आलू बीज कृषक से ही खरीदना चाहिए। अगर बीज बनाने के लिये फसल लगाई है तो 25-30 रोज बाद रोगग्रसित पौधों को निष्कासित (रोगिंग) करना चाहिए। तथा मिट्टी चढ़ाते समय दी जाने वाली नाइट्रोजन खाद के साथ ही फोरेट 10-जी नामक सिस्टेमिक, दानेदार कीटनाशक 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से डालें। जनवरी के प्रथम सप्ताह में इमीडाक्लोप्रिड जो बाजार में कई नामों से मिलती है का 2 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी में घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें। अगर आलू की फसल खाने के लिए लगाई गई है तो कोई भी कीटनाशक का प्रयोग नहीं करना चाहिए। पिछेती झुलसा यानि लेट ब्लाइट सबसे खतरनाक बीमारी है जिसमें खड़ी फसल 48 घंटों में पूरी तरह झुलस जाती है। यह फ्फाइटोफ्थोरा इनफेस्टेन्स नामक फफूंद से फैलती है। दूसरे सप्ताह के बाद अगर 3-4 रोज लगातार हल्की बारिश हो जाये, बादल छाये रहे, तापमान 16 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहे तो बनता है। सुबह के समय देखने पर पत्तों पर पानी से भीगे से गले से धब्बे दिखाई देते हैं जिनकी निचली सतह पर सफेद रंग की फफूंदी के धागे से नजर आते हैं। धूप निकलने पर ये भूरे रंग के झुलसे हुए धब्बों में बदल जाते हैं। तने पर भी छोटे-छोटे हल्के भूरे रंग के निशान दिखाई देते हैं जिन्हें खरोंचने पर अंदर भूरे कार्क जैसा दिखाई देता है। पिछेती झुलसा ग्रसित आलू न तो खाने योग्य होते है और न ही बीज के लिये शीत गृह में रखने योग्य। शीत गृह में ये सड़ते नहीं है तथा अगली फसल में बीमारी फैलाने का काम करते हैं।

प्रतिरोधी क्षमता वाली किस्में लगानी चाहिए जैसे कुफरी चिप्सोना-1, कुफरी चिप्सोना-2, कुफरी चिप्सोना-3, कुफरी चिप्सोना-4, कु. फ्राईसोना, कु. बादशाह, कु. पुष्कर, कु. आनंद, कु. कंचन आदि इनके अलावा कु. ज्योति व कु. पुखराज में भी कुछ हद तक प्रतिरोधी क्षमता है। इसके अलावा दिसम्बर के दूसरे सप्ताह में एक छिड़काव मेन्कोजेब दवा जो कि बाजार में कई नामों से मिलती है का दे देना चाहिए। इस दवा को 2 किलोग्राम मात्रा को 800 से 1000 लीटर पानी में घोलकर इस तरह छिड़काव करें कि दवा का घोल पत्तों से टपकने लगे तथा पत्तों की निचली सतह पर दवा पहुंच जाये। हल्की बारिश हो तो कोई भी स्टीकर मिला दें। पिछेती झुलसा रोग आ चुका है तो तुरंत सिस्टेमिक फफूंदीनाशक मेटालेक्सिल फॉर्मूलेशन या कर्बेट फॉर्मूलेशन का 2.0 से 2.5 किलोग्राम दवा 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कें।

पत्तों पर अगेती झुलसा (अर्ली ब्लाईट)

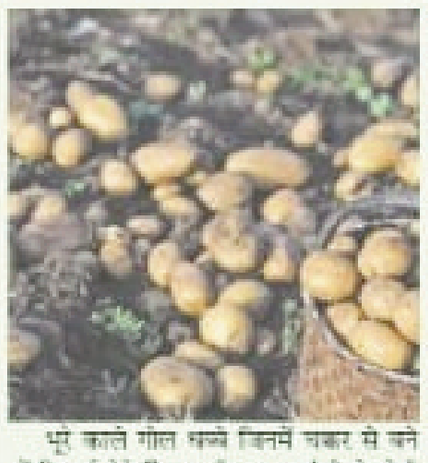

भूरे काले गोल धब्बे जिनमें चक्कर से बने हों दिखाई देते हैं यह भी एक फफूंदी से होती है जिसका नाम आल्टरनेरिया सोलेनाई है। चूंकि इस क्षेत्र में यह देरी से आती है तथा प्रकोप भी कम रहता है। अतः अलग से कोई दवा छिड़कने की आवश्यकता नहीं है, पिछेती झुलसा रोग के लिए जिस दवा का छिड़काव दिया गया है उसी से इसकी भी रोकथाम हो जाती है। दिसम्बर माह में ही पौधों की निचली पत्तियों पर बहुत अधिक संख्या में छोटे-छोटे काले धब्बे दिखाई देते हैं, जिनकी निचली सतह धब्बे भी व चमकदार होती है। ये वातावरण में ओजोन की मात्रा बढ़ने से होती है। यूरिया का 2 प्रतिशत घोल बनाकर पत्तों पर छिड़काव करने से इस बीमारी को रोका जा सकता है। कु. ज्योति व कु. लवकर किस्मों में यह बीमारी बहुत अधिक आती है।

खेत की तैयारी के लिए उपयोगी कृषि यंत्र

ट्रैक्टर चालित डकफुट स्वीप कल्टीवेटर

खेत तैयार करने हेतु हमारे यहां किसान भाई साधारण तौर पर डकफुट कल्टीवेटर का इस्तेमाल करते है। आमतौर पर इस कल्टीवेटर में 450 मि.मी. काट वाली 5 तिकोनी फांसे लगी होती हैं, जो मिट्टी की ऊपरी परत काटती है, जिससे खेत की नमी उड़ नहीं पाती एवं ऊपरी सतह भुरभुरी हो जाती है। इस यंत्र से खेत तैयार करने में 35 हा. पा. ट्रैक्टर से 1 है. में लगभग 1.15 से 1.30 घंटे लगते हैं, तथा प्रचालन लागत 750 रूपये से 800 रूपये प्रति हेक्टर आती है।

ट्रैक्टर चलित रोटावेटर

में उचित नमी की अवस्था में बीज शय्या शैय्या एक बार के प्रचालन में तैयार कर लिया जाता है। रोटावेटर में लेवलर की सहायता से मिट्टी समतल होती है। इसके मुख्य भाग कार्बन शॉफ्ट ब्लेड गीयर बाक्स एसम्बली, स्परगीयर एसम्बली, ट्रेलिंग बोर्ड इत्यादि है। जिस खेत में गहरी जुताई नहीं हुई हो, उस खेत में इस यंत्र से मचाई करके धान की रोपाई किया जाता है इस यंत्र से 30-35 प्रतिशत समय की बचत, 20-25 प्रतिशत प्रचालन लागत में बचत और 25-30 प्रतिशत उच्च गुणवत्ता वाला कार्य करते है।

विशेषताएं

कार्यकारी चौड़ाई : 1500 मि.मी., कार्यकारी गहराई : 110 मि.मी., कार्यक्षमता : 0.31-0.36 है./घंटा, अनुमानित मूल्य : 1,25,000 रूपये

ट्रैक्टर चालित तवादार हल (डिस्क प्लाऊ)

ऐसी भूमि जिसमें पहले जुताई न हुई हो, सूखी भूमि, पेड़-पौधों की जड़ों की ठूठ हो या खरपतवार अधिक बड़ी तथा घनी हो और जिस भूमि पर बोल्डर पत्थर हो तथा मोल्ड बोर्ड हल चलाना मुश्किल हो वहां तवादार हल का प्रयोग हितकर होता है। यह हल भी प्रायः 2 अथवा 3 डिस्क (फाटम) में उपलब्ध है तथा 35-50 हा. पा. वाले ट्रैक्टर से चलाये जा सकते हैं। 35 हा. पा. वाले ट्रैक्टर से एक घंटे में औसत 0.6 एकड़ अर्थात 0.24 है. प्रति घंटा भूमि की जुताई हो सकती है

ट्रैक्टर चालित डिस्क हैरो

प्राथमिक जुताई उपरान्त मिट्टी के ढेलों को तोड़ने तथा मिट्टी को भुरभुरी बनाने के लिये यह उपयोगी यंत्र है। जिन स्थानों की मिट्टी हल्की है वहां पर यह यंत्र सीधे तौर पर भूमि तैयार करने के लिये भी उपयोग में लाया जाता है। परन्तु हमारे यहां, यदि गर्मियों में खेत में हल अथवा बखर पहले से चलाया हुआ है तब पहली बारिश के बाद बतर आने पर इसे सीधे ही खेत तैयार करने के लिये प्रयुक्त किया जा सकता है। रबी में भी बखर की हुई जमीन पर पलेवा के बाद इसे खेत तैयार करने के लिये इस्तेमाल किया जाता है। वैसे तो बाजार में कई तरह के डिस्क हैरो उपलब्ध हैं। परन्तु आमतौर पर 14 डिस्कवाला, डबल गैंग आफसेट माऊंटेड अथवा ट्रेल टाइप हैरो उपयोग होते है, जो 35 हा. पा. ट्रैक्टर के द्वारा आसानी से चलाए जा सकते है। इससे 1 है. खेत तैयार करने में 1 घंटा 15 मिनट लगते हैं।

पावर टिलर चालित रोटावेटर

आम, अमरूद, नीबू, पपीता आदि के बाग में पेड़ों के मध्य रिक्त भूमि पर फसल लेने हेतु ट्रैक्टर से कार्य करना संभव नहीं होता है। परन्तु पावर टिलर से चलने वाले रोटावेटर को इस्तेमाल कर पेड़ों के मध्य की भूमि आसानी से तैयार की जा सकती है। इस यंत्र के कार्य करने का तरीका तथा यंत्र की बनावट ट्रैक्टर चलित रोटावेटर की तरह ही है।

अमरूद के कीट-रोग

फल मक्खी

यह मक्खी बरसात के फलों को हानि पहुंचाती है। यह फल के अंदर अण्डे देती है जिनमें मेगट पैदा होकर गूदे को फल के अंदर खाते है।

नियंत्रण

ग्रसित फलों को नष्ट करें तथा 0.02 प्रतिशत डायजिनान या 0.05 प्रतिशत से 0.1 प्रतिशत मेलाथियान का छिड़काव करें।

मिलीबग

ये कीड़े नये प्रोहों पर चिपके रहते हैं तथा रस चूसते हैं, जिससे फूल पैदा नहीं होते हैं।

नियंत्रण

1 भाग निकोटीन सल्फेट, 600 भाग पानी में घोलकर छिड़कें। तथा अधिक ग्रसित शाखाओं को काटछांट कर नष्ट कर दें व मेटासिस्टाक्स 0.05 प्रतिशत का छिड़काव करें।

छाल खाने वाली इल्ली

यह पौधे की शाखाओं में छेद बनाकर छिलका खाती है। प्रभावित प्रोहों पर काले जाले बन जाते हैं। इन जालों में कीड़ों का मल पदार्थ इकट्ठा होता है। ये इल्लियां इन्हीं जालों के अंदर हानि पहुंचाती है।

नियंत्रण

छिद्रों में पेट्रोलियम या 40 प्रतिशत फार्मलीन डालें चाहिए या पेराडाइक्लोरोबेंजीन का चूर्ण छिद्रों में भरकर उनको चिकनी मिट्टी से बंद कर लें।

सूखा रोग

अमरूद उत्पादन में यह सबसे बड़ी समस्या है। इसमें शाखाओं ऊपर से सूखनी शुरू होती है तथा पूरी सूख जाती है तथा बाद में पूरा पौधा सूख जाता है। यह एक कवक द्वारा पैदा होता है। यह वर्षा ऋतु में सबसे अधिक देखा जाता है।

नियंत्रण

प्रभावित भागों को काटकर तुरंत नष्ट कर दें जिससे आसपास के पौधे में यह न फैल सके। पौधे के तनों पर बार्डो पेंटिंग करें व रिडोमिल 0.2 प्रतिशत दवाई थाले में ड्रेंचिंग करें।

फलों का सड़ना

यह फायटोफ्थोरा पेरासिटिका कवक द्वारा होता है। यह अधिक आर्द्रता के कारण पहले फलों पर पानी भरे धब्बे दिखाई पड़ते हैं तथा बाद में पूरे फल फैलकर उसे गला देते है।

नियंत्रण

2:2:50 बोर्डोमिश्रण का छिड़काव करें या डाइथेन जेड 78 0.2 प्रतिशत का पौधों पर छिड़काव करें।

रोकथाम-

- स्वस्थ पौधों को 0.1 प्रतिशत 8 क्यूनोलीन सल्फेट से इन्जेक्ट करें।
- सभी सूखे पौधे और सूखी टहनी को निकाल दें।
- मार्च, जून और सितम्बर माह में छटाई करके प्रत्येक पौधे के थाले में बाविस्टीन डाला जाये। रोगग्रसित भाग को काट के बेनोमाईल कार्बेंडाजिम के 20 ग्राम को पानी में घोल बना कर प्रति पौधा डाला जायें।
- मुरझाये हुए पौधों में 0.5 प्रतिशत मेटासिस्टाक्स और जिंक सल्फेट के मिश्रण का छिड़काव करें।

उकठा रोग

अमरूद में उकठा रोग का प्रकोप क्षारीय भूमि में जिसका पीएच 7.5 से 9.5 तक हो उसमें अधिक होता है। यह फफूंद के द्वारा फैलता है जिसमें विशेष रूप से फ्यूजेरियम स्पेसीज मैक्रोफोमिना फासकोलिना और सेफालोस्पोरियम स्पेसीज प्रमुख है।

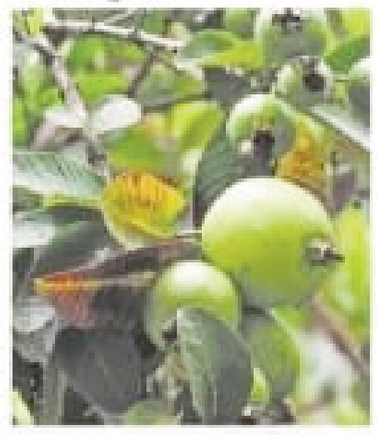

श्रद्धा दास की सीरीज सर्च:

द नैना मर्डर केस की सफलता के बाद IMDB रैंक में भारी उछाल पर प्रतिक्रिया

अभिनेत्री श्रद्धा दास इस समय सफलता और हिट्टूड की लहर पर सवार हैं। उनकी सीरीज, सर्च: द नैना मर्डर केस में उनके रोल ने उन्हें आधिकारिक IMDb की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पर पहुँचा दिया है। वह पैन इंडिया स्टार अब शाहरुख खान, सलमान खान, जाह्नवी कपूर, कियारा आडवाणी और कोंकणा सेन शर्मा जैसी हस्तियों से आगे निकल गई हैं। अपनी IMDb रैंक में इस जबरदस्त उछाल के बारे में जानकर अभिनेत्री ने अपना आश्चर्य व्यक्त किया। दास ने कहा, मुझे इस बारे में पता नहीं था जब तक कि मेरे एक दोस्त ने मुझे यह नहीं भेजा और 15 से 4 पर आने के कारण मैं बहुत अभिभूत और हैरान थी! सीरीज में रश्मा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने अपनी इस नई पहचान का श्रेय दर्शकों के प्यार को दिया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि सर्च: द नैना मर्डर केस सीरीज में मेरा रश्मा का किरदार मुझे दर्शकों से इतना प्यार दिलाएगा! मैं आभारी महसूस कर रही हूं! और सीरीज भी सुपरहिट है!!! IMDb चार्ट्स पर एक सपना हुआ सच! इंडस्ट्री के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ सूचीबद्ध होना अभिनेत्री के लिए एक बड़ी बात है, जिन्होंने मुख्य रूप से दक्षिण भारतीय सिनेमा (तेलुगु, तमिल, मलयालम, और कन्नड़ फिल्मों) के साथ-साथ कुछ हिंदी और बंगाली प्रोजेक्ट्स में भी काम किया है। अपने करियर को दर्शाते हुए श्रद्धा ने साझा किया, मैं सालों से इन अभिनेताओं को देखती आई हूं, और सिर्फ उसी सूची में होना ही मेरे लिए सम्मान की बात है! श्रद्धा ने आगे कहा, लेकिन सूची में शीर्ष पर होना कल्पना से परे है।

मैं लंबे समय से काम कर रही हूं, लेकिन आखिरकार मुझे मेरा हक मिल रहा है। जब उनसे लोकप्रियता में अचानक आए उछाल के संभावित कारण के बारे में पूछा गया, जो प्लेटफॉर्म पर सेलिब्रिटी प्रोफाइल के पेज व्यूज को मापता है, तो दास ने अनुमान लगाया कि इस सीरीज की पहुँच और अलग-अलग भाषाओं में किए गए उनके काम ने इसमें एक बड़ी भूमिका निभाई है। क्षेत्रीय दर्शकों के प्रभाव को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा, हाँ, शायद यही कारण हो सकता है! उन्होंने जोड़ा, तेलुगु, कन्नड़ और बंगाली दर्शक भी इसे अपनी उन भाषाओं में जरूर देखेंगे। लेकिन मुझे हिंदी दर्शकों से भी इतने सारे संदेश मिल रहे हैं। यहाँ तक कि फ्रांस और कनाडा के लोगों से भी! उन्होंने शो की व्यापक अंतरराष्ट्रीय पहुँच को उजागर किया।

आभार व्यक्त करते हुए एक हार्दिक संदेश में, श्रद्धा दास ने अपने प्रशंसकों को उनके समर्थन और पहचान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, मैं आपसे प्यार करती हूँ! हर उस व्यक्ति को धन्यवाद, हर उस राज्य से जहाँ मैंने काम किया है और उन लोगों को भी जहाँ मैंने काम नहीं किया है! और मेरे काम को पहचानने के लिए धन्यवाद। अभिनेत्री अपनी फिल्मों आर्या 2 और दिल तो बच्चा है जी में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं और उनकी वर्तमान रैंकिंग उनके काम की बढ़ती हुई वैश्विक और बहु-सांस्कृतिक अपील का प्रमाण है।

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने रचा इतिहास

भारतीय मनोरंजन जगत के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। उर्वशी रौतेला ने वह कर दिखाया है जो अब तक किसी भारतीय अभिनेत्री ने हासिल नहीं किया—यूट्यूब पर उनके तीन गाने अलग-अलग तौर पर एक-एक अरब व्यूज के करीब पहुंच रहे हैं, जो मिलकर लगभग तीन अरब व्यूज का अभूतपूर्व आंकड़ा बनाते हैं। इसके साथ ही, वह न सिर्फ पहली, बल्कि इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे युवा भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं।यह जीत केवल संख्याओं की नहीं है—यह उनके वैश्विक प्रभाव, जबरदस्त लोकप्रियता और बेजोड़ स्क्रीन प्रेजेंस का प्रमाण है। भारत से लेकर दुनिया के तमाम देशों तक, संगीत प्रेमियों ने उर्वशी के गानों को अपनाया है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय एंथम का दर्जा दिया है। हर गाना, जो अपने-अपने स्तर पर एक अरब व्यूज के करीब है, यह स्पष्ट करता है कि डिजिटल दुनिया में उनका प्रभाव कितनी तेजी से बढ़ रहा है। इस उपलब्धि की सबसे खास बात है उनकी सफलता की निरंतरता। ये कोई एक-दो बार वायरल होने वाले गाने नहीं हैं—ये वो गाने हैं जिन्हें लोग बार-बार सुनते हैं, सेलिब्रेट करते हैं, नाचते हैं और पीढ़ियों व सीमाओं के पार शेयर करते हैं।

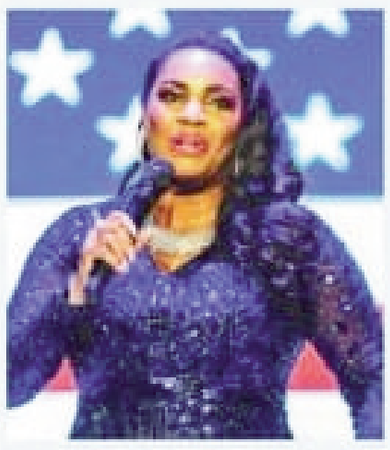

ऐसे दौर में, जहाँ डिजिटल मौजूदगी ही प्रभाव को तय करती है, उर्वशी ने खुद को उस मुकाम पर पहुंचाया है जहाँ पहुंचना बहुतों के लिए नामुमकिन होता है। एक युवा प्रतिभा से अरबों दर्शकों द्वारा देखी जाने वाली ग्लोबल आर्टिस्ट बनने तक का उनका सफर केवल प्रेरणादायक ही नहीं—ऐतिहासिक है। हर नए मुकाम के साथ वह धारणाएँ बदल रही हैं, महिला कलाकारों के लिए नए मानक गढ़ रही हैं और भारतीय टैलेंट को विश्व मंच पर नई ऊँचाइयों तक ले जा रही हैं।

राहुल गांधी पर भड़कीं अमेरिकी सिंगर मैरी मिलबेन, बोलीं- वह भारत के लिए सही नेता नहीं हैं

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-रूस तेल व्यापार को लेकर एक बयान दिया था, जिसे लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी भड़क उठे थे। इसे लेकर अमेरिका की मशहूर सिंगर मैरी मिलबेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके कांग्रेस नेता को करारा जवाब दिया था। यहीं बातचीत करते हुए उन्होंने एक बार फिर से राहुल गांधी को घेरा। बातचीत में राहुल गांधी को लेकर मैरी मिलबेन ने कहा, मैं नहीं समझती हूं कि वह भारत का नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हैं। यह साबित हो चुका है, क्योंकि पीएम मोदी ने सफलता हासिल की है, राहुल गांधी को चुनौती दी है, और फिर से चुनकर आए हैं। लोगों के वोट की ताकत अमेरिका और भारत दोनों ही जगहों पर एक जैसी ही है। लोगों ने तीन बार जवाब दिया है कि पीएम मोदी भारत के लिए सबसे अच्छे हैं। उन्होंने कहा, उनकी खुद की पसंद की वजह से राहुल गांधी भारतीय नेतृत्व के लिए सही व्यक्ति नहीं हैं। मैं बस अभी सोच रही हूं कि ये बातें कैसे होती हैं। मैं हाल ही में स्टेज पर परफॉर्मेंस दे रही थी। मेरी टीम के लोगों ने मुझे बताया कि राहुल गांधी को लेकर जो मैंने बोला, उसकी कितनी चर्चा हो रही है। जैसा कि मैंने कहा कि वह भारत के लिए सही नेता नहीं हैं। वह अपना ज्यादातर समय दुनिया घूमने में लगाते हैं। मैंने कई बार कहा है कि आप जिस देश और वहां की जनता की सेवा करना चाहते हैं, उसके बारे में लगातार नकारात्मक बातें नहीं कर सकते हैं। ऐसे में आप चुनाव जीतने और लोगों के पसंदीदा नेता होने की उम्मीद भी कैसे कर सकते हैं? वह ज्यादातर समय अमेरिका आते रहते हैं और जब भी वह यहां आते हैं, भारत के बारे में गलत बातें बोलते हैं। मुझे नहीं समझ आता है कि वह देश का नेतृत्व करने की उम्मीद भी कैसे कर सकते हैं।

अजय देवगन की 'दृश्यम 3' में परेश रावल को नहीं लगा दम

बॉलीवुड के सीनियर एक्टर परेश रावल ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्हें अजय देवगन स्टारर 'दृश्यम 3' का हिस्सा बनने का ऑफर मिला था, लेकिन उन्होंने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। इसके पीछे की वजह है? चलिए आपको बताते हैं। रोल ने उन्हें उतना उत्साहित नहीं किया जितनी स्क्रिप्ट ने। एक इंटरव्यू में परेश रावल ने बताया कि 'दृश्यम 3' की कहानी उन्हें बेहद पसंद आई, लेकिन उनका रोल उनके मुताबिक नहीं था। उन्होंने कहा, मेकर्स ने मुझसे संपर्क किया था, लेकिन जो रोल ऑफर हुआ, उसमें मजा नहीं आया। स्क्रिप्ट बहुत शानदार थी, मगर अगर किरदार से खुद को जोड़ न पाएं तो काम करने का आनंद नहीं आता। 'दृश्यम 3' में एक बार फिर अजय देवगन और श्रिया सरन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक कर रहे हैं, जबकि इसका निर्माण कुमार मंगत के बैनर तले हो रहा है। यह 2015 की सुपरहिट 'दृश्यम' और 2022 में रिलीज हुई 'दृश्यम 2' की अगली कड़ी है। गौरतलब है कि अजय देवगन की 'दृश्यम' 2013 की मलयालम फिल्म का हिंदी रीमेक है, जिसमें मोहनलाल मुख्य भूमिका में थे। दिलचस्प बात यह है कि 'दृश्यम 3' का मलयालम संस्करण भी एक साथ बनाया जा रहा है। मोहनलाल इन दिनों अपनी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, वहीं हिंदी टीम की तैयारियां भी जोरों पर हैं। हाल ही में 'दृश्यम 3' के टीजर रिलीज को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिंदी रीमेक के प्रोड्यूसर कुमार मंगत ने फिल्म की रिलीज डेट 2 अक्टूबर 2026 घोषित कर दी, जबकि मलयालम टीम निर्देशक जीतू जोसेफ और निर्माता एंटनी पेरुंबवूर इससे नाराज हो गए। बताया जाता है कि दोनों टीमों के बीच एक समझौता है कि हिंदी टीम किसी भी घोषणा से पहले मूल मेकर्स की अनुमति लेगी।

कशिका कपूर की सहज खूबसूरती ने 'पिच टू गेट रिच' स्क्रीनिंग पर चुराया सबका ध्यान

कभी-कभी कोई रेड कार्पेट लम्हा सिर्फ फैशन तक सीमित नहीं रहता – वो बन जाता है एक अभिव्यक्ति, व्यक्तित्व और शांत शक्ति का प्रतीक। ऐसा ही कुछ हुआ जब कशिका कपूर 'पिच टू गेट रिच' की स्क्रीनिंग पर पहुंचीं। जो एक साधारण पापाराज़ी मोमेंट के रूप में शुरू हुआ था, वह कुछ ही पलों में वायरल सेंसेशन बन गया – फैन्स और मीडिया दोनों उनकी शालीनता और स्वाभाविक आकर्षण से मंत्रमुग्ध हो गए।अब वायरल हो चुके वीडियो में कशिका अपने सिग्नेचर स्टाइल में रेड कार्पेट पर चलती नज़र आती हैं – आत्मविश्वास से भरी हुई, लेकिन बिना किसी दिखावे के। न कोई ओवर-ड्रामैटिक अंदाज़, न कोई बनावट – बस एक शांत आभा, जो बिना कोशिश के ही सबका ध्यान खींच लेती है। इंटरनेट जहां उनके पेस्टल सिल्क आउटफिट की तारीफ कर रहा था, वहीं यह साफ दिख रहा था कि बात सिर्फ कपड़ों की नहीं थी – बल्कि उनकी मौजूदगी की थी। कशिका ने खुद को उस शख्सियत के रूप में पेश किया जो जानती है कि वो कौन है और कहां जा रही है। हर फ्रेम में उनके सफर की झलक थी – एक उभरती हुई अदाकारा से लेकर भारतीय सिनेमा की नई लहर को परिभाषित करने वाले चेहरों में से एक बनने तक। कशिका की खूबसूरती उनकी संतुलन भरी शालीनता है – स्टारडम के बीच भी ज़मीन से जुड़ी हुई। ग्लैमरस होने के बावजूद, वो खुद को सच्चाई से पेश करती हैं – अपनापन और आकर्षण का सुंदर मेल। इस इवेंट में उनका आत्मविश्वास और गरिमा एक बार फिर साबित करते हैं कि कशिका कपूर सिर्फ दिखने के लिए नहीं हैं – बल्कि याद किए जाने के लिए हैं। अपने आने वाले बॉलीवुड और साउथ प्रोजेक्ट्स के साथ, यह वायरल पल किसी चौंकाने वाली बात से ज़्यादा एक झलक है – उस सितारे की, जिसकी चमक अब और भी तेज़ होने वाली है।

इंडस्ट्री से समर्थन न मिलने से निराश हैं विष्णु विशाल

तमिल फिल्म इंडस्ट्री के एक अभिनेता और फिल्म निर्माता ने इंडस्ट्री में लोगों के समर्थन की कमी के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया है कि उन्हें उनकी चार फिल्मों के लिए निर्माता नहीं मिले। इसके बाद उन्होंने खुद का प्रोडक्शन हाउस बनाया। अपनी अपकमिंग फिल्म आर्यन के प्री-रिलीज कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने बताया कि तमिल सिनेमा में अपने सहयोगियों से उनको क्यों शिकायत है?

चार फिल्मों के लिए नहीं मिले निर्माता

हम जिस अभिनेता की बात कर रहे हैं वह विष्णु विशाल हैं। उन्होंने कहा, मैं इंडस्ट्री में पहचान न मिलने की बात कर रहा था। मैं इससे खुश नहीं हूं। मैं अपने सभी प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी दिलाने के लिए एक-दो साल से काम कर रहा हूं। विष्णु विशाल ने वेलैनु वंधुट्टा वेल्लैकारन, गट्टा कुश्ती और एफआईआर: फैजल इब्राहिम रईज जैसी फिल्मों के नाम लिए और बताया कि इन प्रोजेक्ट्स को शुरू करने के लिए उन्हें कितना संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा मेरी फिल्म गट्टा कुश्ती के लिए छह निर्माताओं ने आखिरी समय में मना कर दिया था। वेलैनु वंधुट्टा वेल्लैकारन के लिए मैं चार निर्माताओं के पास गया और एफआईआर: फैजल इब्राहिम रईज के लिए तीन निर्माता पीछे हट गए।

खुद का प्रोडक्शन हाउस बनाया

विष्णु विशाल ने कहा कि यही वजह है कि उन्होंने अपनी फिल्मों के लिए निर्माता बनने का फैसला किया। उन्होंने कहा, मैं बस यह कहना चाह रहा था कि एक व्यक्ति के तौर पर मेरे अंदर यह दर्द और उदासी है। इसीलिए मैंने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया। एक बार जब मैंने प्रोडक्शन का काम संभाल लिया, तो मुझे इस फिल्म को रिलीज करने और फिर से पर्दे पर लाने में बस एक साल लगा।

मुझे फोन नहीं करते कलाकार

उन्होंने आगे कहा मैं यह भी कहना चाहता हूं कि मुझे किसी एक व्यक्ति से कोई शिकायत नहीं है। जब मेरी फिल्म रिलीज होती है और सफल होती है, तो मैंने देखा है कि जिन अभिनेताओं की मैं तारीफ करता हूं, उनमें से किसी ने भी मुझे व्यक्तिगत रूप से बधाई देने के लिए एक बार भी फोन नहीं किया।

कानूनी मुसीबत में घिरीं बिग बॉस फेम तान्या मित्तल

पोटाश गन चलाने के आरोप में शिकायत दर्ज, जांच के आदेश जारी

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल रियलिटी शो बिग बॉस 19 में अपने बयानों और लाइफ स्टाइल को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। वे एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं। उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है और इस बार वजह उनकी कोई टिप्पणी नहीं है।

रियलिटी शो बिग बॉस 19 में अपनी टिप्पणियों को लेकर चर्चा बटोरने वाली तान्या मित्तल के खिलाफ ग्वालियर में शिकायत दर्ज हुई है। दरअसल, तान्या पर पोटाश गन चलाने का आरोप है, जिस पर प्रतिबंध लगा हुआ है। तान्या का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। साथ ही एफआईआर की मांग की गई है। फिलहाल एसएसपी ने इस मामले में जांच के आदेश जारी किए हैं।

शिकायतकर्ता ने क्या कहा?

इन दिनों बिग बॉस 19 में चर्चित प्रतिभागी नजर आ रही तान्या मित्तल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वे पिंक साड़ी में दिख रही हैं। अभिनेत्री कथित तौर पर कार्बाइड गन चलाती दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर इस वीडियो के वायरल होने के बाद हंगामा हो गया और उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। ग्वालियर निवासी शिशुपाल सिंह कंषाना ने एएसपी अनु बेनीवाल से शिकायत की है, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों और कलेक्टर रुचिका चौहान द्वारा धारा 163 बीएनएसएस के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों का हवाला देते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

क्या है वीडियो की सच्चाई?

तान्या के खिलाफ शिकायतकर्ता का कहना है कि वीडियो में तान्या मित्तल कार्बाइड गन चलाती हुए नजर आ रही हैं। यह वही गन है, जिसके इस्तेमाल पर ग्वालियर कलेक्टर बैन लगाया है।

वहीं, इस वीडियो को लेकर कहा गया है कि यह बीते वर्ष यानी साल 2024 का है। फिलहाल कलेक्टर रुचिका चौहान के आदेश पर मामले की जांच चल रही है।

क्या है पूरा मामला?

मध्य प्रदेश में कार्बाइड गन चलाने से अब तक 300 से अधिक लोगों की आंखों की रोशनी पर खतरा मंडरा रहा है। सरकार की ओर से इस गन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसी बीच तान्या का कथित तौर पर कार्बाइड गन चलाते हुए एक वीडियो वायरल हुआ है। इसी के चलते उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। कहा जा रहा है कि अगर जांच में पाया गया कि यह वीडियो बीते साल का है तो संभव है कि उनके खिलाफ एफआईआर न हो, क्योंकि पोटाश गन पर प्रतिबंध हाल ही में लगाया गया है।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

खेल

बक्सर, 27 अक्टूबर 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

आईपीएल से पहले केकेआर ने किया बड़ा बदलाव, पूर्व भारतीय क्रिकेटर को बनाया मुख्य कोच

आईपीएल 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने अभिषेक नायर को मुख्य कोच के रूप में नियुक्त किया है। नायर, जो पहले टीम में सहायक कोच और अकादमी हेड के रूप में काम कर चुके हैं, अब पूरी टीम की कोचिंग जिम्मेदारी संभालेंगे। यह बदलाव प्रशंसकों के कोचिंग दृष्टि में नए युग की शुरुआत माने जा रहा है। नायर का केकेआर के साथ पुराना नाता रहा है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने और टीम की रणनीति में सुधार लाने में अहम योगदान दिया है। दिनेश कार्तिक, श्रेयस अय्यर और अन्य युवा भारतीय प्रतिभाओं के करियर में उनकी मार्गदर्शन की छाप साफ दिखाई देती है। पूर्व मुंबई ऑलराउंडर अभिषेक नायर ने भारतीय घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया और 2009 में तीन ओडीआई खेले। रिटायरमेंट के बाद नायर ने कोचिंग में कदम रखा और कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को संभाला। उनके विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण और शांत नेतृत्व शैली ने उन्हें आईपीएल में उच्च सम्मान दिलाया है। अब मुख्य कोच बनने के बाद नायर के सामने चुनौती है कि केकेआर को आईपीएल 2026 में फिर से खिताब के दावेदार बनाएं। उनकी आधुनिक क्रिकेट की समझ, रणनीतिक कौशल और खिलाड़ी मनोविज्ञान की समझ टीम के प्रदर्शन में सुधार ला सकती है। यह कदम टीम में स्थिरता और दीर्घकालीन लक्ष्य पर भरोसा दर्शाता है। नायर के अनुभव और कोचिंग दृष्टिकोण से प्रशंसक खिलाड़ियों को नई दिशा मिलेगी और टीम में नई ऊर्जा का संचार होगा।

वर्ल्ड रेसलिंग चैम्पियनशिप

हंसिका, सारिका को रजत से करना पड़ा संतोष, परविंदर कांस्य पदक से चूके

नोवी साद, एजेंसी। हंसिका 53 किग्रा वर्ग के खिताबी मुकाबले में जापान की हरूना मोरिकावा से 0-4 से हार गईं। पिछले साल की एशियाई अंडर-20 रजत पदक विजेता सारिका 2024 अंडर-23 विश्व रजत पदक विजेता रूका नतामी से रोमांचक मुकाबले में 1-2 से हार गईं। भारत की महिला मुक्केबाज हंसिका लांबा और सारिका मलिक को अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के फाइनल में हार मिली जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हंसिका 53 किग्रा वर्ग के खिताबी मुकाबले में जापान की हरूना मोरिकावा से 0-4 से हार गईं। पिछले साल की एशियाई अंडर-20 रजत पदक विजेता सारिका 2024 अंडर-23 विश्व रजत पदक विजेता रूका नतामी से रोमांचक मुकाबले में 1-2 से हार गईं। भारत ने इस प्रकार महिला वर्ग में अपने अभियान का अंत सात पदकों के साथ किया। निशु (55 किग्रा), नेहा शर्मा (57 किग्रा), पुलकित (65 किग्रा), सृष्टि (68 किग्रा) और प्रिया मलिक (76 किग्रा) ने टूर्नामेंट में पहले ही कांस्य पदक जीते थे। मनीषा (62 किग्रा), तन्नी कुमारी (50 किग्रा), दीक्षा मलिक (72 किग्रा) का अभियान पदक दौर से पहले ही खत्म हो गया था।

रंजी ट्रॉफी: अजिंक्य रहाणे ने खेली 159 रन की पारी

टीम इंडिया में क्या फिर होगी वापसी? दूर कर सकते हैं गिल-गंभीर की सबसे बड़ी टेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम से दो साल से ज्यादा से बाहर चल रहे अजिंक्य रहाणे ने एक बार फिर से अपनी दावेदारी टीम इंडिया में वापसी के लिए ठोक दी है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी 2025 के पहले राउंड के दूसरे मुकाबले में मुंबई की टीम को मुश्किल से बाहर निकाला। उन्होंने टीम को उस वक्त संभाला जब छत्तीसगढ़ के खिलाफ 38 रन पर उसके तीन विकेट गिर गए थे। उन्होंने सिद्धेश लाड के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 165 रनों की साझेदारी की। रहाणे ने आउट होने से पहले 303 गेंद की अपनी पारी में 159 रन बनाए। अजिंक्य रहाणे ने इस पारी में अपना 42वां फर्स्ट क्लास शतक जड़ा। उन्होंने 159 रन बनाए और मुंबई की टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया। इसी के साथ फिर से यह अटकलें लगने लगी कि क्या 37 वर्षीय इस खिलाड़ी की भारतीय टेस्ट टीम में वापसी हो सकती है। रहाणे ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच जुलाई 2023 में खेला था। अगर वह लगातार दो, तीन पारियों में अपना यह प्रदर्शन बरकरार रखते हैं तो निश्चित ही आगे चलकर विचार किया जा सकता है कि उनको एक और मौका मिले।

चेतेश्वर पुजारा के बाद से भारतीय टीम को नंबर 3 पर कोई भी अच्छा विकल्प नहीं मिल पाया है। इस पोजीशन पर पुजारा के बाद गिल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, करुण नायर समेत कई बल्लेबाजों को ट्राई किया गया। मगर किसी ने भी बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं किया। फिलहाल साई पर कप्तान गिल और कोच गंभीर भरोसा जता रहे हैं। लेकिन उनके बल्ले से भी लंबी पारियां 9 इनिंग्स के बाद नहीं आई है। ऐसे में अगर रहाणे का अच्छा परफॉर्मेंस जारी रहता है तो उनको एक बार फिर से मौका देने पर विचार-विमर्श हो सकता है।

कर्नाटक के खिलाफ अर्जुन तेंदुलकर ने तहलका मचाया

नई दिल्ली, एजेंसी। महान सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर अक्सर लाइमलाइट में रहते हैं। हाल ही में वह अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में थे। जब उनकी सगाई सानिया चांडोक से हुई थी। लेकिन, अब अर्जुन तेंदुलकर रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। बता दें कि अर्जुन घरेलू क्रिकेट गोवा के लिए खेलते हैं। 25 अक्टूबर से गोवा और कर्नाटक के बीच रणजी ट्रॉफी का मैच खेला जा रहा है। दोनों टीमें एलीट ग्रुप बी में हैं। इस मैच में सचिन तेंदुलकर के बेटे ने पहली पारी में कमाल कर दिया।

गोवा के कप्तान स्नेहल कौथनकर ने टॉस जीतकर कर्नाटक के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, यह फैसला उतना ज्यादा सही साबित नहीं हुआ। कर्नाटक ने पहली पारी में तकरीबन साढ़े 300 रन बना लिए हैं। लेकिन, अर्जुन तेंदुलकर ने अपनी गेंदबाजी से जरूर सभी को इम्प्रेस किया। अर्जुन तेंदुलकर पहली पारी में 3 विकेट निकाल चुके हैं। उन्होंने कर्नाटक के ओपनर निकिन जोस, कृष्णन श्रीजित और अभिनव मनोहर को आउट किया है। बता दें कि अर्जुन पहले मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते थे। लेकिन, 2022 में ज्यादा मौके न मिलने की वजह से उन्होंने गोवा को ज्वॉइन कर लिया।

26 साल के अर्जुन तेंदुलकर आईपीएल में डेब्यू कर चुके हैं। उन्होंने 2023 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए आईपीएल में डेब्यू किया था। उसके बाद हालांकि उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले। अर्जुन ने 5 आईपीएल मैचों में 3 विकेट लिए हैं।

...तो रोहित-विराट खेलेंगे घरेलू क्रिकेट!

कप्तान शुभमन गिल के बयान से लग रहीं अटकलें, बीसीसीआई जल्द लेगा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए वनडे मुकाबले में बल्ले से धमाकेदार प्रदर्शन किया. 25 अक्टूबर (शनिवार) को हुए इस मैच में रोहित ने नाबाद 121 रन बनाए, वहीं कोहली 74 रनों पर नॉटआउट लौटे. दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए नाबाद 168 रनों की साझेदारी हुई, जिसने टीम इंडिया को 9 विकेट से जीत दिलाने में मदद की.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में विराट कोहली पहले दो मैचों में खाता नहीं खोल पाए थे. रोहित भी पहले मैच में सिर्फ 8 रन बना सके थे, जबकि एडिलेड वनडे में वो शुरुआती ओवरों में संघर्ष करते दिखे. हालांकि हिटमैन ने फिर लय पकड़ ली और 73 रनों की पारी खेली. अब रोहित-विराट ने सीरीज का अंत शानदार तरीके से किया है. फिर भी इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि अब दोनों अपने करियर के आखिरी पड़ाव की ओर बढ़ रहे हैं. विराट कोहली और रोहित शर्मा ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला था, शायद यही कारण था कि दोनों शुरुआती मैचों में संघर्ष करते दिखे. कोई भी खिलाड़ी कितना भी नेट्स में पसीना बहाए, लेकिन मैच प्रैक्टिस काफी अनिवार्य है. कोहली-रोहित को लेकर भी ऐसा ही दिखा. यदि दोनों इंडिया-ए के लिए घरेलू मैच खेलकर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाते, तो शायद पहले ही मैच से लय में होते.

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने फॉर्म में वापसी कर ली है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद दोनों एक बार फिर इंटरनेशनल क्रिकेट से 1 महीने के लिए दूर हो रहे हैं. बता दें कि भारतीय टीम का वनडे क्रिकेट में अगला असाइनमेंट साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज है, जो 30 नवंबर से 6 दिसंबर तक होनी है. इसके बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से वनडे सीरीज खेलेगी. यानी साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज और न्यूजीलैंड सीरीज के बीच काफी लंबा अंतराल है. ऐसे में कोहली-रोहित यदि घरेलू क्रिकेट खेलेंगे, तो उनकी लय बनी रहेगी.

इस दिन क्रिकेट को अलविदा कहेंगे रोहित शर्मा, कोच ने संन्यास को लेकर कर दिया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत को 2-1 से हार मिली। लेकिन इस सीरीज में रोहित शर्मा का बल्ला खूब चला. भारत के स्टार बल्लेबाज ने तीन मैचों की सीरीज में 202 से ज्यादा रन बनाए, इसके लिए रोहित शर्मा को प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया. रोहित शर्मा टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं. वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले हिटमैन के वनडे से भी रिटायरमेंट लेने की खबरें चर्चा का विषय बनी हुई थी. लेकिन रोहित की परफॉर्मेंस ने उनके आलोचकों का मुंह बंद कर दिया है.

वनडे से कब रिटायर होंगे रोहित

रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए हिटमैन के संन्यास पर बड़ा खुलासा किया. दिनेश लाड ने सिडनी वनडे में रोहित शर्मा की पारी को देखते हुए कहा कि रोहित ने जिस तरह बल्लेबाजी की और टीम इंडिया को जीत दिलाई, उसे देखकर बहुत अच्छा लगा. दिनेश लाड ने आगे कहा कि रोहित ने मन बना लिया है कि वो 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलेंगे और उसके बाद ही संन्यास लेंगे.

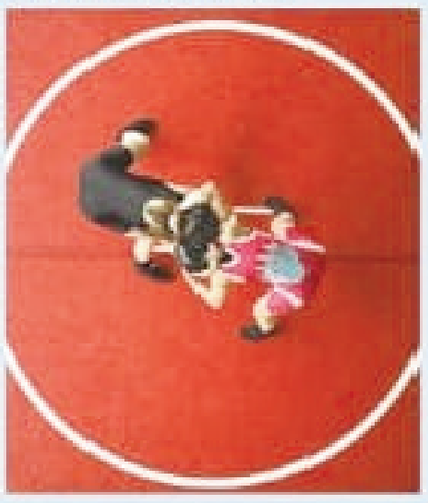

रोहित शर्मा के बचपन के कोच ने विराट कोहली की भी तारीफ करते हुए कहा कि कोहली ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी

कंडीशन में सफल हो सकते हैं. उनके खेल को देखकर भी बहुत अच्छा लगा. दिनेश लाड ने बताया कि सचिन तेंदुलकर ने कहा था कि भविष्य में रोहित और विराट ही उनके रिकॉर्ड तोड़ेंगे और आज ये बात सच साबित हो रही है.

रोहित-विराट ने दिलाई जीत

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआत दो वनडे मैच हार गई थी. वहीं तीसरे वनडे में रोहित शर्मा और विराट कोहली ने मैच विनिंग पारी खेली. रोहित ने 125 गेंदों में नाबाद 121 रन बनाए, वहीं विराट कोहली ने 81 गेंदों में 74 रनों की नाबाद पारी खेली और विनिंग चौका लगाकर टीम को तीसरा वनडे जिताया.

केनेडियन ओपन

कनाडा ओपन स्क्वाश के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं अनाहत, स्विट्जरलैंड की मेरलो को हराया

टोरंटो, एजेंसी। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन और भारत की स्टार स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार खेल का नजारा पेश करते हुए पीएसए सिल्वर प्रतियोगिता कनाडा महिला ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज दिल्ली की इस युवा खिलाड़ी ने शनिवार को पहले दौर में स्विट्जरलैंड की सिंडी मेरलो को 17 मिनट में 11-3, 11-3, 11-4 से हराया। अनाहत का अगला मुकाबला दुनिया की 20वें नंबर की खिलाड़ी और छठी वरीयता प्राप्त मेलिसा अल्वेस से होगा।

बेलिंडा बेनसिच बनीं पैन पैसिफिक ओपन की चैंपियन, नोस्कोवा को हराया; करियर का 10वां खिताब जीता

टोक्यो, एजेंसी। बेनसिच ने फाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-2, 6-3 से हराया और करियर का 10वां खिताब जीतने में सफल रहीं। बेनसिच ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में 10 साल पहले भाग लिया था।

स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिच ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा और पैन पैसिफिक ओपन टेनिस टूर्नामेंट की चैंपियन बनने में सफल रहीं। बेनसिच ने फाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-2, 6-3 से हराया और करियर का 10वां खिताब जीतने में सफल रहीं। बेनसिच ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में 10 साल पहले भाग लिया था। उन्होंने रविवार को खेले गए फाइनल में चेक गणराज्य की अपनी प्रतिद्वंद्वी पर दबदबा बनाए रखा। बेनसिच ने नोस्कोवा की सर्विस को तीन बार तोड़ते हुए एक घंटे 22 मिनट में आसान जीत हासिल की। टोक्यो से स्विस खिलाड़ी की सुखद यादें जुड़ी हैं। उन्होंने चार साल पहले टोक्यो में ओलंपिक महिला एकल में स्वर्ण पदक और युगल में रजत पदक जीता था। मैच के बाद बेनसिच ने कहा, आप लोगों के सामने खेलना शानदार रहा। पिछली बार मैंने यहां जब टोक्यो ओलंपिक में जीत हासिल की थी, तब स्टेडियम खाली था, इसलिए माहौल बिल्कुल अलग था, लेकिन आप लोगों के सामने खेलना बहुत अच्छा लगा। मुझे जापान में खेलना बहुत पसंद है, इसलिए मैं यह टूर्नामेंट जीतकर बहुत खुश हूं।

महिलाओं में सरस्वती और पुरुषों में सिकंदर ने मारी बाजी, 6000 से ज्यादा ने लिया भाग

नई दिल्ली, एजेंसी। 'रन अबव द क्लाउड्स' थीम के तहत आयोजित इस मैराथन में देश-विदेश के 6,000 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। 42 किलोमीटर मैराथन में महिला वर्ग सरस्वती राय ने पहला स्थान पाया जबकि पुरुष वर्ग में सिकंदर सिंह तड़जे ने विजय का परचम लहराया।

अरुणाचल प्रदेश के तवांग में 10,000 फीट की ऊंचाई पर शनिवार को आयोजित तवांग इंटरनेशनल मैराथन 3.0 ने जोश, जुनून और जज्बे की नई मिसाल पेश की। 'रन अबव द क्लाउड्स' थीम के तहत आयोजित इस मैराथन में देश-विदेश के 6,000 से

अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। 42 किलोमीटर मैराथन में महिला वर्ग सरस्वती राय ने पहला स्थान पाया जबकि पुरुष वर्ग में सिकंदर सिंह तड़जे ने विजय का परचम लहराया। इस आयोजन ने न सिर्फ खेल के प्रति समर्पण का प्रदर्शन किया, बल्कि यह एकता, साहस और आत्मबल का भी प्रतीक बनकर उभरा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, जो इन दिनों जापान की आधिकारिक यात्रा पर हैं, ने वीडियो संदेश के जरिए धावकों को शुभकामनाएं दीं। मैराथन को गजराज कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह ने अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों – चीफ ऑफ स्टाफ डिवीजन, ब्लेजिंग स्वॉर्ड डिवीजन और रेड हॉर्न डिवीजन के जीओसी सहित फ्लैग ऑफ किया। इस मौके पर लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर ने कहा, तवांग मैराथन अपने आप में यूनिक है। यहां ऊंचाई की चुनौती है, लेकिन उससे भी ऊंचा है प्रतिभागियों का मनोबल। सिंह ने कहा, इस मैराथन में देश और विदेश से आए धावकों ने हिस्सा लिया है। यह आयोजन तवांग की सुंदरता, अनुशासन और एकता का संदेश दुनिया तक पहुंचाता है। पहले और तीसरे मैराथन में जमीन-आसमान का फर्क है।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

श्रद्धा दास की सीरीज सर्चः

द नैना मर्डर केस की सफलता के बाद IMDB रैंक में भारी उछाल पर प्रतिक्रिया

अभिनेत्री श्रद्धा दास इस समय सफलता और प्रतिष्ठा की लहर पर सवार है। उनकी सीरीज, सर्चः द नैना मर्डर केस में उनके रोल ने उन्हें आधिकारिक IMDb की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पर पहुँचा दिया है। वह पैन इंडिया स्टार अब शाहरुख खान, सलमान खान, जान्हवी कपूर, कियारा आडवाणी और कोंकणा सेन शर्मा जैसी हस्तियों से आगे निकल गई है। अपनी IMDb रैंक में इस नाटकीय उछाल के बारे में जानकर अभिनेत्री ने अपना आश्चर्य व्यक्त किया। दास ने कहा, मुझे इस बारे में पता नहीं था जब तक कि मेरे एक दोस्त ने मुझे यह नहीं भेजा और 15 से 4 पर आने के कारण मैं बहुत अभिभूत और हैरान थी! सीरीज में रक्षा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने अपनी इस नई पहचान का श्रेय दर्शकों के प्यार को दिया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि सर्चः द नैना मर्डर केस सीरीज में मेरा रक्षा का किरदार मुझे दर्शकों से इतना प्यार दिलाएगा! मैं आभारी महसूस कर रही हूं! और सीरीज भी सुपरहिट है!!! IMDb चार्ट्स पर एक सपना हुआ सच! इंडस्ट्री के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ सूचीबद्ध होना अभिनेत्री के लिए एक बड़ी बात है, जिन्होंने मुख्य रूप से दक्षिण भारतीय सिनेमा (तेलुगु, तमिल, मलयालम, और कन्नड़ फिल्मों) के साथ-साथ कुछ हिंदी और बंगाली प्रोजेक्ट्स में भी काम किया है। अपने करियर को दर्शाते हुए उन्होंने साझा किया, मैं बचपन से इन अभिनेताओं को देखती आई हूं, और सिर्फ उसी सूची में होना ही मेरे लिए सम्मान की बात है! उन्होंने आगे कहा, लेकिन सूची में शीर्ष पर होना कल्पना से परे है।

मैं लंबे समय से काम कर रही हूं, लेकिन आखिरकार मुझे मेरा हक मिल रहा है। जब उनसे लोकप्रियता में अचानक आए उछाल के संभावित कारण के बारे में पूछा गया, जो प्लेटफॉर्म पर सेलिब्रिटी प्रोफाइल के पेज व्यूज को मापता है, तो दास ने अनुमान लगाया कि इस सीरीज की पहुँच और अलग-अलग भाषाओं में किए गए उनके काम ने इसमें एक बड़ी भूमिका निभाई है। क्षेत्रीय दर्शकों के प्रभाव को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा, हाँ, शायद यही कारण हो सकता है! तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और बंगाली दर्शक भी इसे अपनी उन भाषाओं में जरूर देख रहे होंगे। लेकिन मुझे हिंदी दर्शकों से भी इतने सारे संदेश मिल रहे हैं। यहाँ तक कि असम और कन्नड़ के लोगों से भी! उन्होंने शो की व्यापक अंतरराष्ट्रीय पहुँच को उजागर किया।

आभार व्यक्त करते हुए एक हार्दिक संदेश में, श्रद्धा दास ने अपने प्रशंसकों को उनके समर्थन और पहचान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, मैं आपसे प्यार करती हूं! हर उस व्यक्ति को धन्यवाद, हर उस राज्य से जहाँ मैंने काम किया है और उन लोगों को भी जहाँ मैंने काम नहीं किया है! और मेरे काम को पहचानने के लिए धन्यवाद। अभिनेत्री अपनी फिल्मों आर्या 2 और दिल तो बच्चा है जी में अपने अभिनय के लिए जानी जाती है और उनकी वर्तमान रैंकिंग उनके काम की बढ़ती हुई वैश्विक और बहु-सांस्कृतिक अपील का प्रमाण है।

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने रचा इतिहास

भारतीय मनोरंजन जगत के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। उर्वशी रौतेला ने वह कर दिखाया है जो अब तक किसी भारतीय अभिनेत्री ने हासिल नहीं किया—यूट्यूब पर उनके तीन गाने अलग-अलग तौर पर एक-एक अरब व्यूज के करीब पहुँच रहे हैं, जो मिलकर लगभग तीन अरब व्यूज का अभूतपूर्व आंकड़ा बनाते हैं। इसके साथ ही, वह न सिर्फ पहली, बल्कि इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे युवा भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। यह जीत केवल संख्याओं की नहीं है—यह उनके वैश्विक प्रभाव, जबरदस्त लोकप्रियता और बेमिसाल स्क्रीन प्रेज़ेंस का प्रमाण है। भारत से लेकर दुनिया के तमाम देशों तक, संगीत प्रेमियों ने उर्वशी के गानों को अपनाया है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय एंथम का दर्जा दिया है। हर गाना, जो अपने-अपने स्तर पर एक अरब व्यूज के करीब है, यह स्पष्ट करता है कि डिजिटल दुनिया में उनका प्रभाव कितनी तेजी से बढ़ रहा है। इस उपलब्धि की सबसे खास बात है उनकी सफलता की निरंतरता। ये कोई एक-दो बार वायरल होने वाले गाने नहीं हैं—ये वो गाने हैं जिन्हें लोग बार-बार सुनते हैं, सेलिब्रेट करते हैं, नाचते हैं और पीढ़ियों व सीमाओं के पार शेयर करते हैं।

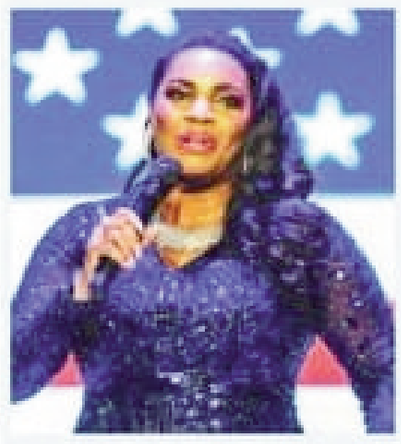

ऐसे दौर में, जहाँ डिजिटल मौजूदगी ही प्रभाव को तय करती है, उर्वशी ने खुद को उस मुकाम पर पहुँचाया है जहाँ पहुँचना बहुतों के लिए नामुमकिन होता है। एक युवा प्रतिभा से अरबों दर्शकों द्वारा देखी जाने वाली ग्लोबल आर्टिस्ट बनने तक का उनका सफर केवल प्रेरणात्मक ही नहीं—ऐतिहासिक है। हर नए मुकाम के साथ वह धारणाएँ बदल रही हैं, महिला कलाकारों के लिए नए मानक गढ़ रही हैं और भारतीय टैलेंट को विश्व मंच पर नई ऊँचाइयों तक ले जा रही हैं।

राहुल गांधी पर भड़कीं अमेरिकी सिंगर मैरी मिलबेन, बोलीं- वह भारत के लिए सही नेता नहीं हैं

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-रूस तेल व्यापार को लेकर एक बयान दिया था, जिसे लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी भड़क उठे थे। इसे लेकर अमेरिका की मशहूर सिंगर मैरी मिलबेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके कांग्रेस नेता को करारा जवाब दिया था। यही बातचीत करते हुए उन्होंने एक बार फिर से राहुल गांधी को घेरा। बातचीत में राहुल गांधी को लेकर मैरी मिलबेन ने कहा, मैं नहीं समझती हूं कि वह भारत का नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हैं। यह साबित हो चुका है, क्योंकि पीएम मोदी ने सफलता हासिल की है, राहुल गांधी को चुनौती दी है, और फिर से चुनकर आए हैं। लोगों के वोट की ताकत अमेरिका और भारत दोनों ही जगहों पर एक जैसी ही है। लोगों ने तीन बार जवाब दिया है कि पीएम मोदी भारत के लिए सबसे अच्छे हैं। उन्होंने कहा, उनकी खुद की पसंद की वजह से राहुल गांधी भारतीय नेतृत्व के लिए सही व्यक्ति नहीं हैं। मैं बस अभी सोच रही हूं कि ये बातें कैसे होती हैं। मैं ह्यूस्टन में स्टेज पर परफॉर्मेंस दे रही थी। मेरी टीम के लोगों ने मुझे बताया कि राहुल गांधी को लेकर जो मैंने बोला, उसकी कितनी चर्चा हो रही है। जैसा कि मैंने कहा कि वह भारत के लिए सही नेता नहीं हैं। वह अपना ज्यादातर समय दुनिया घूमने में लगाते हैं। मैंने कई बार कहा है कि आप जिस देश और वहाँ की जनता की सेवा करना चाहते हैं, उसके बारे में लगातार नकारात्मक बातें नहीं कर सकते हैं। ऐसे में आप चुनाव जीतने और लोगों के पसंदीदा नेता होने की उम्मीद भी कैसे कर सकते हैं? वह ज्यादातर समय अमेरिका आते रहते हैं और जब भी यहाँ आते हैं, भारत के बारे में गलत बातें बोलते हैं। मुझे नहीं समझ आता है कि वह देश का नेतृत्व करने की उम्मीद भी कैसे कर सकते हैं।

अजय देवगन की 'दृश्यम 3' में परेश रावल को नहीं लगा दम

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर परेश रावल ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्हें अजय देवगन स्टारर 'दृश्यम 3' का हिस्सा बनने का ऑफर मिला था, लेकिन उन्होंने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। इसके पीछे की क्या है? चलिए आपको बताते हैं। रोल ने उन्हें उतना उत्साहित नहीं किया जितनी स्क्रिप्ट ने। एक इंटरव्यू में परेश रावल ने बताया कि 'दृश्यम 3' की कहानी उन्हें बेहद पसंद आई, लेकिन उनका रोल उनके मुताबिक नहीं था। उन्होंने कहा, मेकर्स ने मुझसे संपर्क किया था, लेकिन जो रोल ऑफर हुआ, उसमें मजा नहीं आया। स्क्रिप्ट बहुत शानदार थी, मगर अगर किरदार से खुद को जोड़ न पाएं तो काम करने का आनंद नहीं आता। 'दृश्यम 3' में एक बार फिर अजय देवगन और श्रिया सरन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक कर रहे हैं, जबकि इसका निर्माण कुमार मंगत के बैनर तले हो रहा है। यह 2015 की सुपरहिट 'दृश्यम' और 2022 में रिलीज हुई 'दृश्यम 2' की अगली कड़ी है। गौरतलब है कि अजय देवगन की 'दृश्यम' 2013 की मलयालम फिल्म का हिंदी रीमेक है, जिसमें मोहनलाल मुख्य भूमिका में थे। दिलचस्प बात यह है कि 'दृश्यम 3' का मलयालम संस्करण भी एक साथ बनाया जा रहा है। मोहनलाल इन दिनों अपनी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, वहीं हिंदी टीम की तैयारियां भी जोरों पर हैं। हाल ही में 'दृश्यम 3' के टीजर रिलीज को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिंदी रीमेक के प्रोड्यूसर कुमार मंगत ने फिल्म की रिलीज डेट 2 अक्टूबर 2026 घोषित कर दी, जबकि मलयालम टीम निर्देशक जीतू जोसेफ और निर्माता एंटनी पेरुंबवूर इससे नाराज हो गए। बताया जाता है कि दोनों टीमों के बीच एक समझौता है कि हिंदी टीम किसी भी घोषणा से पहले मूल मेकर्स की अनुमति लेगी।

कशिका कपूर की सहज खूबसूरती ने 'पिच टू गेट रिच' स्क्रीनिंग पर चुराया सबका ध्यान

कभी-कभी कोई रेड कार्पेट लम्हा सिर्फ फैशन तक सीमित नहीं रहता – वो बन जाता है एक अभिव्यक्ति, व्यक्तित्व और शांत शक्ति का प्रतीक। ऐसा ही कुछ हुआ जब कशिका कपूर 'पिच टू गेट रिच' की स्क्रीनिंग पर पहुंचीं। जो एक साधारण पापाराज़ी मोमेंट के रूप में शुरू हुआ था, वह कुछ ही पलों में वायरल सेंसेशन बन गया – फैन्स और मीडिया दोनों उनकी शालीनता और स्वाभाविक आकर्षण से मंत्रमुग्ध रह गए। अब वायरल हो चुके वीडियो में कशिका अपने सिग्नेचर स्टाइल में रेड कार्पेट पर चलती नज़र आती हैं – आत्मविश्वास से भरी हुई, लेकिन बिना किसी दिखावे के। न कोई ओवर-ड्रामैटिक अंदाज़, न कोई बनावट – बस एक शांत आभा, जो बिना कोशिश के ही सबका ध्यान खींच लेती है। इंटरनेट जहां उनके पेस्टल मिंट आउटफिट की तारीफ कर रहा था, वहीं यह साफ़ दिख रहा था कि बात सिर्फ कपड़ों की नहीं थी – बल्कि उनकी मौजूदगी की थी। कशिका ने खुद को उस शख्सियत के रूप में पेश किया जो जानती है कि वो कौन है और कहां जा रही है। हर फ्रेम में उनके सफर की झलक थी – एक उभरती हुई अदाकारा से लेकर भारतीय सिनेमा की नई लहर को परिभाषित करने वाले चेहरों में से एक बनने तक। कशिका की खासियत उनकी संतुलन भरी शालीनता है – ग्लैमर के बीच भी ज़मीन से जुड़ी हुई। वायरल होने के बावजूद, वो खुद को सच्चाई से पेश करती हैं – आराम और आकर्षण का सुंदर मेल। इस इवेंट में उनका आत्मविश्वास और गरिमा एक बार फिर साबित करते हैं कि कशिका कपूर सिर्फ दिखने के लिए नहीं हैं – बल्कि याद किए जाने के लिए हैं। अपने आने वाले बॉलीवुड और साउथ प्रोजेक्ट्स के साथ, यह वायरल पल किसी चौंकाने वाली बात से ज्यादा एक झलक है – उस सितारे की, जिसकी चमक अब और भी तेज़ होने वाली है।

इंडस्ट्री से समर्थन न मिलने से निराश हैं विष्णु विशाल

तमिल फिल्म इंडस्ट्री के एक अभिनेता और फिल्म निर्माता ने इंडस्ट्री में लोगों के समर्थन की कमी के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया है कि उन्हें उनकी चार फिल्मों के लिए निर्माता नहीं मिले। इसके बाद उन्होंने खुद का प्रोडक्शन हाउस बनाया। अपनी अपकमिंग फिल्म आर्यन के प्री-रिलीज कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने बताया कि तमिल सिनेमा में अपने सहयोगियों से उनको क्यों शिकायत है?

चार फिल्मों के लिए नहीं मिले निर्माता

हम जिस अभिनेता की बात कर रहे हैं वह विष्णु विशाल हैं। उन्होंने कहा, मैं इंडस्ट्री में पहचान न मिलने की बात कर रहा था। मैं इससे खुश नहीं हूं। मैं अपने सभी प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी दिलाने के लिए एक-दो साल से काम कर रहा हूं। विष्णु विशाल ने वेन्निला कबडी कुझु, रात्सासन, गट्टा कुश्ती और एफआईआर- फैसल इब्राहिम रईस जैसी फिल्मों के नाम लिए और बताया कि इन प्रोजेक्ट्स को शुरू करने के लिए, उन्हें कितना संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा मेरी फिल्म गट्टा कुश्ती के लिए छह निर्माताओं ने आखिरी समय में मना कर दिया था। रात्सासन के लिए मैं चार निर्माताओं के पास गया और एफआईआर- फैसल इब्राहिम रईस के लिए तीन निर्माता पीछे हट गए।

खुद का प्रोडक्शन हाउस बनाया

विष्णु विशाल ने कहा कि यही वजह है कि उन्होंने अपनी फिल्मों के लिए निर्माता बनने का फैसला किया। उन्होंने कहा, मैं बस यह कहना चाह रहा था कि एक व्यक्ति के तौर पर मेरे अंदर यह दर्द और उदासी है। इसीलिए मैंने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया। एक बार जब मैंने प्रोडक्शन का काम संभाल लिया, तो मुझे इस फिल्म को रिलीज करने और फिर से पर्दे पर लाने में बस एक साल लगा।

मुझे फोन नहीं करते कलाकार

उन्होंने आगे कहा मैं यह भी कहना चाहता हूं कि मुझे किसी एक व्यक्ति से कोई शिकायत नहीं है। जब मेरी फिल्म रिलीज होती है और सफल होती है, तो मैंने देखा है कि जिन अभिनेताओं की मैं तारीफ करता हूं, उनमें से किसी ने भी मुझे व्यक्तिगत रूप से बधाई देने के लिए एक बार भी फोन नहीं किया।

कानूनी मुसीबत में घिरीं बिग बॉस फेम तान्या मित्तल

पोटाश गन चलाने के आरोप में शिकायत दर्ज, जांच के आदेश जारी

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल रियलिटी शो बिग बॉस 19 में अपने बयानों और लाइफ स्टाइल को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। वे एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं। उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है और इस बार वजह उनकी कोई टिप्पणी नहीं है।

रियलिटी शो बिग बॉस 19 में अपनी टिप्पणियों को लेकर चर्चा बटोरने वाली तान्या मित्तल के खिलाफ ग्वालियर में शिकायत दर्ज हुई है। दरअसल, तान्या पर पोटाश गन चलाने का आरोप है, जिस पर प्रतिबंध लगा हुआ है। तान्या का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। साथ ही एफआईआर की मांग की गई है। फिलहाल एसएसपी ने इस मामले में जांच के आदेश जारी किए हैं।

शिकायतकर्ता ने क्या कहा?

इन दिनों बिग बॉस 19 में बतौर प्रतिभागी नजर आ रहीं तान्या मित्तल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वे पिंक साड़ी में दिख रही हैं। अभिनेत्री कथित तौर पर कार्बाइड गन चलाती दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर इस वीडियो के वायरल होने के बाद हंगामा हो गया और उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। ग्वालियर निवासी शिशुपाल सिंह कंषाना ने एसएसपी धर्मवीर सिंह को...

[illegible] अनु बेनीवाल से शिकायत की है, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों और कलेक्टर रुचिका चौहान द्वारा धारा 163 बीएनएसएस के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों का हवाला देते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

क्या है वीडियो की सच्चाई?

तान्या के खिलाफ शिकायतकर्ता का कहना है कि वीडियो में तान्या मित्तल कार्बाइड गन चलाते हुए नजर आ रही हैं। यह वही गन है, जिसके इस्तेमाल पर ग्वालियर कलेक्टर बैन लगाया है।

वहीं, इस वीडियो को लेकर कहा गया है कि यह बीते वर्ष यानी साल 2024 का है। फिलहाल कलेक्टर रुचिका चौहान के आदेश पर मामले की जांच चल रही है।

क्या है पूरा मामला?

मध्य प्रदेश में कार्बाइड गन चलाने से अब तक 300 से अधिक लोगों की आंखों की रोशनी पर खतरा मंडरा रहा है। सरकार की ओर से इस गन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसी बीच तान्या का कथित तौर पर कार्बाइड गन चलाते हुए एक वीडियो वायरल हुआ है। इसी के चलते उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। कहा जा रहा है कि अगर जांच में पाया गया कि यह वीडियो बीते साल का है तो संभव है कि उनके खिलाफ एफआईआर न हो, क्योंकि पोटाश गन पर प्रतिबंध हाल ही में लगाया गया है।